केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जुबान की भी अपनी अलग ही पहचान है, ज्यादा मीठा बोले तो झूठी, और सच बोले तो कड़वी लगती है

वर्ष : 17 अंक : 09 | उज्जैन, शुक्रवार 19 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

बदलेगी देश की राजनीति... सारंगी ने बताया- अपराधीकरण रोकने वाले कानून को मिला सबका साथ

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों तथा मंत्रियों को गंभीर अपराधों के मामलों में 30 दिन से अधिक समय तक हिरासत में रहने पर पद से हटाने के प्रविधान वाले संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति को प्रस्तावित कानून के समर्थन में कई सुझाव प्राप्त हुए हैं। समिति की अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने बुधवार को कहा कि राजनीति के अपराधीकरण को समाप्त करने के उद्देश्य का किसी भी पक्ष ने विरोध नहीं किया है। इस 30-सदस्यीय समिति ने दिल्ली सचिवालय में हितधारकों के साथ बैठक की। इसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार के विधि एवं गृह विभाग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय तथा गैर-सरकारी संगठन 'कामन काज' के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सारंगी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हितधारकों ने विधेयक का समर्थन किया। उन्होंने बताया कि समिति अब तक 11 बैठकें कर चुकी है और राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, तेलंगाना तथा पंजाब सहित नौ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा कर चुकी है। भाजपा सांसद ने दावा किया कि तेलंगाना और पंजाब जैसे गैर-भाजपा शासित राज्यों ने भी कुछ संशोधनों का सुझाव देने के साथ प्रस्तावित कानून की मूल भावना का समर्थन किया है। सारंगी का कहना था कि प्रस्तावित कानूनों का उद्देश्य राजनीति के अपराधीकरण को समाप्त करना, जेल से सरकार चलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना तथा सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही को मजबूत करना है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 तथा इससे संबंधित जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 और केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 पिछले साल 20 अगस्त को लोकसभा में पेश किए गए थे। फिर इसे संयुक्त समिति के विचार के लिए भेजा गया।

आखिर क्यों ग्रेट है निकोबार प्रोजेक्ट? चीन की नाक में हो जाएगा दम

नई दिल्ली/ जीएनएस। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल डीके जोशी ने गुरुवार को महत्वाकांक्षी ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना भारत के समुद्री व्यापार के लिए गेम-चेंजर साबित होगी और अंडमान-निकोबार को हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेगी। यह परियोजना अब पहले दौर में प्रवेश करने जा रही है और इसका प्रमुख हिस्सा इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (आइसीटीटी) देश के समुद्री व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

उपराज्यपाल जोशी ने बताया कि पहले चरण में यह टर्मिनल लगभग छह मिलियन टीईयू कार्गो क्षमता संभालने में सक्षम होगा और इसे बनाने पर करीब 20 हजार करोड़ रुपये की लागत आएगी और कार्य शुरू होने के तीन वर्षों के भीतर इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अंतिम चरण में इसकी क्षमता बढ़कर 21 मिलियन टीईयू तक पहुंच सकती है, जिससे यह न केवल भारत बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सबसे बड़े कंटेनर बंदरगाहों में शामिल हो जाएगा। टीईयू कंटेनर जहाजों की कार्गो क्षमता और बंदरगाहों की माल ढुलाई क्षमता मापने की मानकीकृत इकाई है। ग्रेट निकोबार की मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थिति का उल्लेख करते हुए जोशी ने कहा कि यह बंदरगाह वैश्विक समुद्री व्यापार मार्गों पर एक प्रमुख ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में उभर सकता है। अधिकारियों के अनुसार, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) माडल के तहत विकसित की जा रही इस परियोजना में बंदरगाह आधारित विकास के साथ पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों और आदिवासी समुदायों के संरक्षण के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया जाएगा।

विज्ञान-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश परियोजनाओं पर हो तेज अमल : मुख्यमंत्री

उज्जैन में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी भविष्य में अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। मध्यप्रदेश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएँ हैं। हमें नवाचार, अनुसंधान और तकनीकी विकास को बढ़ावा देकर प्रदेश को ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का सशक्त केंद्र बनाना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए समन्वित और प्रभावी प्रयास किए जाएं। निवेश परियोजनाओं को जल्द से जल्द धरातल पर उतारा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे गुजरात की तर्ज पर मध्यप्रदेश (राजधानी क्षेत्र भोपाल) में भी गिफ्ट सिटी बनाने के लिए ठोस प्रयास करें। उन्होंने कहा कि उज्जैन में मेडी सिटी, साइंस सिटी और इंजीनियरिंग कॉलेज बन रहे हैं। उज्जैन में ही मेडिकल, साइंस और टेक्निकल एजुकेशन के एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की स्थापना की जाए। इसके लिए केंद्र सरकार से भी समन्वय किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यों एवं अन्य गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए निवेश संवर्धन पर विशेष बल दिया। उन्होंने विभाग द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रमुख निवेश (लीड इन्वेस्टमेंट) आकर्षित करने के लिए तैयार की गई विशेष कार्य योजना की समीक्षा की तथा इसे समयबद्ध रूप से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में होने वाला निवेश न केवल औद्योगिक विकास को गति देगा, बल्कि रोजगार सृजन, अनुसंधान, स्टार्ट-अप संस्कृति और तकनीकी आत्मनिर्भरता को भी मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से नवाचार आधारित परियोजनाओं को प्राथमिकता देने तथा निवेशकों के साथ सतत संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में विभाग की विभिन्न योजनाओं, प्रगति रिपोर्ट तथा आगामी कार्य योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई संभावनाओं को साकार करने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में जरूरी मानव संसाधन की पद पूर्ति कर लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बढ़ती जरूरतों के मद्देनजर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को और भी सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने प्रेजेंटेशन देकर बताया कि उज्जैन में डीपटेक रिसर्च पार्क की स्थापना का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया गया है। अब इसी प्रस्ताव अंतर्गत उज्जैन में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए नई कार्य योजना तैयार कर संशोधित प्रस्ताव भेजा जाएगा। यह सेंटर करीब 400 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा। डीपटेक रिसर्च पार्क भी अब इसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का हिस्सा होगा। उन्होंने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा भोपाल में गिफ्ट सिटी बनाने की तैयारी है। इसे ईकाई सिटी (श्वद्मह्व ष्टद्धञ्जङ्ख - एजुकेशन, नॉलेज एण्ड एआई सिटी) के रूप में तैयार किया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा करीब 10 हजार करोड़ रुपए की फंडिंग की जाएगी। राज्य सरकार भी इसमें राशि मिलाएगी। उन्होंने बताया कि अमेरिका की 4 यूनिवर्सिटीस मध्यप्रदेश में अपना अध्ययन परिसर (स्टडी कैम्पस) खोलना चाहती हैं। उनसे भी समन्वय किया जा रहा है।

प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री एम. सेलवेंद्रम ने बताया कि मध्यप्रदेश देश का एक उभरता हुआ टेक हब बन रहा है। यहां 5 आईटी एसईजेड, 15 से अधिक आईटी पार्क, 50 से अधिक बड़ी आईटी कंपनियां, करीब 1200 से अधिक टेक स्टार्ट-अप्स कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में तकनीकी शिक्षा प्रदान करने वाले 300 से अधिक कॉलेज, 50 हजार से अधिक तकनीकी स्नातक/वर्ष (यूजी. पीजी, डिप्लोमा), आईआईटी, आईआईआईटीडीएम, आईआईएम, एम्स जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान भी हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में तकनीकी क्षेत्र की 6 नीतियां हैं। एमपी स्टार्ट-अप पॉलिसी - 2022 भी लागू है। सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय, ब्याज सब्सिड़ी जैसे प्रोत्साहन भी निवेशकों को दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में टेक सेक्टर में लगभग 12 हजार 500 करोड़ रुपए का निवेश आया है। इससे करीब 50 हजार नए रोजगार का सृजन हुआ है। विभाग द्वारा आईटी आईटीईएस तथा क्वांटम और एआई जैसी उभरते तकनीकी सेक्टर, डेटा सेंटर, ईएसडीएम- डेटा सेंटर कम्पोनेंट्स मैन्यूफेक्चरिंग, सेमी कंडक्टर- पैकेजिंग, डिजाइन, ड्रोन निर्माण, जीसीसी, एवीजीसी- एक्सआर एवं स्पेस टेक पर विशेष फोकस किया जा रहा है। प्रदेश में इस पूरे सेक्टर के अंतर्गत करीब 5 हजार 892 करोड़ रूपए की मेगा परियोजनाओं के प्रस्ताव पाइपलाइन में है।

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह ने बैठक में बताया कि उद्योग विभाग के पास 10 लाख वर्ग फीट जमीन उपलब्ध है। निवेशकों को कम से कम समय में भूमि उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अधीन स्टार्ट-अप मिशन के तहत हम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सेक्टर में निवेश करने वाले निवेशकों को भी जरूरी मदद मुहैया करा रहे हैं।

प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा ने अपने स्पेशल प्रेजेंटेशन में मध्यप्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र के आमूल-चूल विकास और इस सेक्टर में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संयुक्त समिति ने पीएम-सीएम को हटाने से जुड़े बिल पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से मांगी राय

नई दिल्ली/ जीएनएस। गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को अपने-आप पद से हटाने से जुड़े एक अहम बिल की जांच कर रही संसद की संयुक्त समिति ने बुधवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और दूसरे संबंधित पक्षों के साथ चर्चा की।

अध्ययन में मुख्य रूप से प्रस्तावित कानूनों के नागरिक अधिकारों और प्रशासनिक प्रभावों का मूल्यांकन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के साथ समिति की बैठक दिन भर की चर्चाओं का मुख्य केंद्र रही। संविधान (130वां संशोधन) बिल, 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल, 2025 और केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) बिल, 2025 को विस्तार से बातचीत के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया था। इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी ने इन कानूनी ड्राफ्ट पर अकादमिक और संवैधानिक नजरिए पेश किए।

सुप्रीम कोर्ट की ED को कड़ी फटकार, हम रातभर फाइलें पढ़ते हैं और आप स्थगन मांग लेते हैं

नई दिल्ली/ जीएनएस। छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को मिली जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ईडी पर नाराजगी जताई।

ईडी ने कोर्ट से सुनवाई टालने की मांग की, जिस पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने तीखी टिप्पणी की।

शीर्ष न्यायालय ने कहा कि पहले मामले को सूचीबद्ध कराने की जल्दबाजी रहती है और बाद में स्थगन की मांग की जाती है, जबकि न्यायाधीश ऐसे मामलों की फाइलें रातभर पढ़ते हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहन की पीठ चैतन्य बघेल को हाई कोर्ट से मिली जमानत के खिलाफ ईडी की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई कर रही थी।

सुनवाई के दौरान ईडी ने अपने पक्ष को रखने के लिए और समय मांगा। इस पर कोर्ट ने असंतोष व्यक्त किया। इसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई आगे के लिए टाल दी।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अदालतों में बार-बार स्थगन मांगने की प्रवृत्ति पर सख्त संदेश के रूप में देखी जा रही है। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने इसी वर्ष जनवरी में चैतन्य बघेल को जमानत दी थी।

जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की एकल पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि चैतन्य बघेल न तो आबकारी विभाग में किसी आधिकारिक पद पर थे और न ही राज्य की शराब कंपनियों में उनकी कोई वैधानिक भूमिका थी।

संसदीय समिति ने उच्च शिक्षा पर खर्च बढ़ाने का दिया सुझाव, राज्यसभा के सभापति को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए मौजूदा बजटीय आवंटन को अपर्याप्त बताते हुए शिक्षा पर सार्वजनिक खर्च बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

समिति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का छह प्रतिशत खर्च करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन यह लक्ष्य अब तक हासिल नहीं हो सका है।

राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली समिति ने मंगलवार को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित अनुदान मांगों (2025-26) पर अपनी 381वीं कार्रवाई रिपोर्ट सौंपी। यह रिपोर्ट समिति की 364वीं रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा करती है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए उच्च शिक्षा विभाग के बजट अनुमान में वृद्धि हुई है, लेकिन इसकी दर पिछले वर्ष की तुलना में कम है।

समिति का मानना है कि बढ़ती महंगाई और उच्च शिक्षा क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए आवंटन में आठ से 10 प्रतिशत की वृद्धि आवश्यक है। इससे न केवल मौजूदा खर्चों को बनाए रखने में मदद मिलेगी, बल्कि उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास और एनईपी-2020 के क्रियान्वयन के लिए भी पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

सीमावर्ती राज्य में बड़ी जनसांख्यिकीय साजिश, सीएम हिमंत सरमा बोले- असम के कई जिलों में जनसंख्या से अधिक बने आधार

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को राज्य के कुछ जिलों में आधार नामांकन के आंकड़ों पर चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि कुछ इलाकों में जारी किए गए आधार कार्ड की संख्या वहां की अनुमानित आबादी से अधिक हो गई है।

सीएम सरमा ने कहा कि कुछ जिलों में आधार 100 प्रतिशत के आंकड़े को पार कर गया है, जिसका मतलब है कि उन जिलों की अनुमानित आबादी से अधिक आधार कार्ड जारी किए गए हैं। यह सीमावर्ती राज्य में बड़ी जनसांख्यिकीय साजिश की ओर इशारा करता है।

राज्य सरकार ने पहले ही अयोग्य लोगों को आधार कार्ड लेने से रोकने के लिए कदम उठाए हैं। उनके अनुसार, 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को आधार जारी करने पर रोक लगाई गई है।

उन्होंने कहा, यह पक्का करने के लिए कि कोई भी गलत व्यक्ति आधार न बनवा पाए, हमने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को आधार जारी करने पर कुछ पाबंदियां लगाई हैं।

ये बातें असम सरकार की उन कोशिशों के बीच कही गई हैं, जिनमें वह पहचान से जुड़े दस्तावेज़ों की जांच-पड़ताल को सख्त करने और वेरिफिकेशन सिस्टम को मजबूत करने पर जोर दे रही है, खासकर बांग्लादेश से सटे जिलों में। राज्य सरकार ने सीमावर्ती इलाकों में अवैध घुसपैठ और जनसांख्यिकीय बदलावों को लेकर बार-बार चिंता जताई है।

भारत और ईयू साल के अंत तक एफटीए पर करेंगे हस्ताक्षर, EU की शीर्ष नेता ने किया एलान

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) इस साल के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। इस बात का एलान ईयू की शीर्ष नेता अर्सला वान डेर लेयेन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत के बाद किया।

जी-7 समिट के दौरान हुई बैठक में दोनों पक्षों ने सुरक्षा और रक्षा समन्वय बढ़ाने का भी फैसला किया। बैठक में यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा भी शामिल हुए। इस समझौते को सभी समझौतों की जननी भी कहा जा रहा है, क्योंकि इससे दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक साझेदारी क्षेत्रों में से एक का निर्माण होगा।

यह समझौता वस्तुओं, सेवाओं और डिजिटल बिजनेस को कवर करेगा। इसके लागू होने से करीब दो अरब लोगों और वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक बड़े हिस्से को फायदा मिलेगा। साथ ही व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी सहयोग के नए अवसर बनेंगे। बैठक के दौरान यूरोपीय नेताओं ने कहा कि समझौते को अंतिम रूप देने के बाद अब इसे लागू करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है और साल के अंत तक इस पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

अर्सला ने कहा कि दोनों पक्ष समझौते को अंतिम रूप देने के बाद अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एफटीए के अलावा निवेश समझौते पर भी तेजी से काम आगे बढ़ाया जाएगा।

देश में फैल रहा हवाई अड्डों का जाल, रिकॉर्ड संख्या में उड़ान भर रहे भारतीय

नई दिल्ली/ जीएनएस। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) से कमर्शियल यात्री उड़ानों की शुरुआत के साथ ही, भारत के एविएशन क्षेत्र के बढ़ते नेटवर्क में एक और चालू हवाई अड्डा जुड़ गया है। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दबाव कम करेगा।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। यह नया हवाई अड्डा इस बात की भी कहानी बयां करता है कि कैसे भारत का एविएशन मैप बदल रहा है।

हवाई अड्डों की संख्या में भारी वृद्धि- साल 2017 में भारत में 94 चालू हवाई अड्डे थे। 2026 तक यह संख्या बढ़कर 163 हो गई है। यह वृद्धि नए हवाई अड्डा प्रोजेक्ट्स, पहले से बंद पड़े हवाई अड्डों के पुनरुद्धार और उड़ान योजना के तहत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के विस्तार का मिलाजुला परिणाम है। इस कार्यक्रम के पीछे मुख्य विचार प्रमुख महानगरों के बाहर रहने वाले लोगों के लिए हवाई यात्रा को सुलभ बनाना और छोटे शहरों को राष्ट्रीय वायु नेटवर्क से जोड़ना था।

हवाई अड्डों की संख्या में उत्तर प्रदेश सबसे आगे- हालांकि, देश भर में हवाई अड्डों का विस्तार एक समान नहीं रहा है। जेवर को मिलाकर उत्तर प्रदेश में अब सबसे ज्यादा 18 चालू हवाई अड्डे हैं। इसके बाद 15 हवाई अड्डों के साथ महाराष्ट्र दूसरे और 13 हवाई अड्डों के साथ गुजरात तीसरे स्थान पर है।

पहाड़ी क्षेत्रों में हवाई संपर्क के महत्व को दर्शाते हुए उत्तराखंड में 12 चालू हवाई अड्डे हैं। 10 हवाई अड्डों के साथ कर्नाटक शीर्ष पांच में शामिल है। असम और राजस्थान जैसे राज्यों में सात-सात हवाई अड्डे हैं, जबकि आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में छह-छह हवाई अड्डे हैं।

उड़ानों की आवाजाही में महानगरों का दबदबा बरकरार- हवाई अड्डे के इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के बावजूद, उड़ानों की आवाजाही कुछ प्रमुख राज्यों में ही केंद्रित है। अप्रैल 2026 के आंकड़ों से पता चलता है कि महाराष्ट्र में सबसे अधिक 35.6 हजार घरेलू उड़ानों की आवाजाही दर्ज की गई, जिसके बाद 31.7 हजार के साथ दिल्ली का नंबर रहा।

23.8 हजार घरेलू उड़ानों के साथ कर्नाटक तीसरे स्थान पर था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बात करें तो, दिल्ली विदेशी गंतव्यों के लिए देश का मुख्य द्वार बना हुआ है, जहां 9.9 हजार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की आवाजाही दर्ज की गई। इसके बाद महाराष्ट्र (6.6 हजार) और तमिलनाडु (3.9 हजार) का स्थान रहा।

पैसेंजर ट्रैफिक में दिल्ली शीर्ष पर- यात्री यातायात में भी इसी तरह का पैटर्न देखने को मिलता है। अप्रैल में दिल्ली ने सबसे ज्यादा 66.5 लाख हवाई यात्रियों को संभाला। महाराष्ट्र 59 लाख यात्रियों के साथ दूसरे स्थान पर था, जिसके बाद 39.5 लाख के साथ कर्नाटक का नंबर रहा।

तमिलनाडु और तेलंगाना में क्रमशः 22.7 लाख और 22.5 लाख यात्री दर्ज किए गए। यात्री आवाजाही के मामले में पश्चिम बंगाल, गुजरात, केरल, उत्तर प्रदेश और गोवा भी शीर्ष दस राज्यों में शामिल रहे।

महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट पर गरिमापूर्ण अगवानी

राज्यपाल, मुख्यमंत्री,मुख्य सचिव,मंत्री, सांसद एवं विधायकों सहित सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने किया आत्मीय स्वागत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आज अपने पांच दिवसीय मध्य प्रदेश प्रवास के सुअवसर पर अल्प प्रवास हेतु इंदौर पहुंचीं। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रपति के गरिमामयी आगमन पर संपूर्ण प्रदेश की ओर से उनका अत्यंत आत्मीय, गरिमापूर्ण एवं भव्य स्वागत किया गया।

विमानतल पर गरिमामय अगवानी में महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रपति को पुष्पगुच्छ भेंट किया। साथ ही नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, डीजीपी श्री कैलाश मकवाना, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी, इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री रमेश मेंदोला, विधायक मनोज पटेल तथा पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, इंदौर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा राष्ट्रपति का आदरपूर्वक अभिवादन किया और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए।

देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट पर स्वागत के उपरांत, राष्ट्रपति वायुसेना के विशेष हेलीकॉप्टर द्वारा अपने आगे के निर्धारित कार्यक्रमों के लिए प्रस्थान कर गईं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा निर्माणाधीन आईटी पार्क-3 का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी आईटी और सेवा क्षेत्र का केंद्र बनाने का हमारा संकल्प है। उज्जैन-इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन इस परिवर्तन का ग्रोथ इंजन बनेगा। आईटी पार्क-3, आईटी पार्क-4 आईटी पार्क उज्जैन, इंदौर- पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर और निजी क्षेत्र की परियोजनाएं मिलकर एक ऐसा आधुनिक इकोसिस्टम तैयार करेगी और मध्यप्रदेश को डिजिटल अर्थव्यवस्था की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज निर्माणाधीन आई टी पार्क-3 के निरीक्षण के दौरान कही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर को हम मध्यप्रदेश के आईटी और सेवा क्षेत्र की विकास राजधानी के रूप में विकसित कर रहे हैं। आने वाले वर्षों में यहां विकसित होने वाला आईटी पार्कों का समग्र इकोसिस्टम प्रदेश को नई आर्थिक गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि विकसित किया जा रहे आईटी पार्क प्रदेश को आईटी, ग्लोबल केपीबिलिटी सेंटर और सेवा क्षेत्र का प्रमुख केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन परियोजनाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश में एक सुदृढ़ और भविष्य उन्मुख डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जा रहा है।

निर्माणाधीन आईटी पार्क 557 करोड रुपए की लागत से ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित किया जा रहा है। विश्वस्तरीय यह 22 मंजिला भवन 11.25 लाख वर्गफीट के कुल निर्मित क्षेत्रफल के साथ मध्य भारत का सर्वश्रेष्ठ आईटी पार्क बनने जा रहा है।

विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी जिला इंदौर ग्रामीण द्वारा विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन पितृ पर्वत के सामने ऑक्सफोर्ट कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों के सामने दीप प्रज्वलन के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम की जिला स्तरीय आयोजन टोली के सदस्यों ने किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने की तथा स्वागत भाषण देते हुए मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सांसद शंकर लालवानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, सड़क, रेल, हवाई सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश निरंतर प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश सहित देशभर में सड़कों का जाल बिछा है तथा विकास कार्यों की गति अभूतपूर्व रही है। उन्होंने इंदौर लोकसभा में 70 हजार करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लेखा जोखा वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया। राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों के परिणामस्वरूप देश की दिशा और दशा दोनों बदली हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ गरीब, किसान, महिला और युवाओं तक पहुंचा है। भारत का सम्मान और सुरक्षा विश्व स्तर पर मजबूत हुई है तथा विकसित भारत का संकल्प देश के 140 करोड़ नागरिकों का संकल्प बन चुका है। भारत देश की जनता जिस विश्वास के साथ मोदी जी के साथ खड़ी है उससे देश के सम्मान और सुरक्षा में बढ़ोत्तरी हुई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनकल्याण और सुशासन के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अनेक ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। भ्रष्टाचार पर अंकुश, महिलाओं के सम्मान एवं सशक्तिकरण तथा युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने का कार्य केंद्र सरकार ने किया है। उन्होंने डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि करोड़ों नागरिकों को घर बैठे सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में विकसित भारत एवं जनकल्याण के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर जितु जिराती, रवि रावलिया, सुभाष चौधरी, कंचनसिंह चौहान, गोपालसिंह चौधरी, ओम परसावदिया, रीता उपमन्यु, घनश्याम नारोलिया, सुमेरसिंह सोलंकी अंतर दयाल, रामस्वरूप गेहलोत, पूंजालाल निनामा लीला पाटीदार पवन पटेल सत्यनारायण पटेल किरण सूर्यवंशी राहुल जैन विनोद जाट बडूलिया अक्षत जैन सुभाष पटेल हेमचंद मित्तल मुकेश जरिया विनोद चंदानी सुभाष पाटीदार चंकी शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्ध जन भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के किला मैदान पर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज अपने इंदौर प्रवास के दौरान ऐतिहासिक किला मैदान स्थित शौर्य की प्रतिमूर्ति वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा स्थल पहुंचकर उनके चित्र तथा प्रतिमा पर भावपूर्ण माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री ने स्वाधीनता संग्राम की अमर महानायिका को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से सादर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस गरिमामयी अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का अद्वितीय साहस, अमर शौर्य और अदम्य राष्ट्रप्रेम संपूर्ण देश के लिए सदैव प्रेरणापुंज बना रहेगा। उन्होंने अल्पायु में मातृभूमि की रक्षा और स्वाभिमान के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका यह सर्वोच्च बलिदान हर पीढ़ी को देश सेवा और स्वाभिमान के पथ पर आगे बढ़ने की निरंतर प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के गौरवशाली इतिहास को सहेजने तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। इंदौर का यह ऐतिहासिक किला मैदान क्षेत्र भी हमारी ऐतिहासिक धरोहरों और महान वीरों की स्मृतियों का साक्षी है। इस अवसर पर नगरीय विकास प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, श्री सुमित मिश्रा, श्री सुदर्शन गुप्ता, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

20 जून को होगा इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का भूमिपूजन

मंत्री श्री सिलावट और कलेक्टर वर्मा ने कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले के चन्द्रावतीगंज में आगामी 20 जून को इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर विशेष रूप से शामिल होंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कार्यक्रम स्थल सागर गार्डन, चन्द्रावतीगंज पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के दल के साथ कार्यक्रम स्थल का विस्तृत जायजा लिया तथा विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान मंच व्यवस्था, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा, बैठक व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। मंत्री श्री सिलावट एवं कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूर्ण की जाएं तथा आगंतुकों एवं आमजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कार्यक्रम स्थल पर समुचित सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन हो सके। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाकर सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश भी दिए गए।

आकर्षक स्पेस-थीम, रॉकेट मॉडल्स और स्पार्क एस्ट्रोनॉमी लैब देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जताई प्रसन्नता

आधुनिक खगोलीय प्रयोगशाला का किया निरीक्षण और स्मार्ट क्लास में पहुँचकर बच्चों से किया आत्मीय संवाद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपने इंदौर प्रवास के दौरान स्कूल चले हम अभियान के तहत बड़ा गणपति स्थित शासकीय शारदा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे । यहां उन्होंने विद्यालय में स्थापित अत्याधुनिक व आकर्षक खगोलीय प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं से चर्चा कर खगोलीय उपकरणों, वेधशाला और मॉडल्स की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने आकर्षक स्पेस-थीम, रॉकेट मॉडल्स और स्पार्क एस्ट्रोनॉमी लैब देखकर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने छात्राओं के वैज्ञानिक कौशल की सराहना भी की। साथ ही उन्होंने स्मार्ट कक्षाओं में जाकर बच्चों से आत्मीय संवाद किया और भविष्य के लक्ष्य को जाना।

प्रयोगशाला में दिखे अंतरिक्ष विज्ञान के अनूठे आयाम- निरीक्षण के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने अत्यंत आत्मविश्वास के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रयोगशाला में उपलब्ध विभिन्न खगोलीय उपकरणों, दूरबीन और नक्षत्रों व ग्रहों की ट्रैकिंग प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस स्पार्क एस्ट्रोनॉमी लैब को ब्रह्मांड की थीम पर बेहद आकर्षक रूप से तैयार किया गया है। प्रयोगशाला में चंद्र ग्रहण, सूर्य ग्रहण, जल चक्र, ज्वालामुखी और पृथ्वी की आंतरिक संरचना को दर्शाने वाले जीवंत चार्ट्स और मॉडल्स प्रदर्शित किए गए हैं। इसके साथ ही वहां रखे रॉकेट व सैटेलाइट मॉडल्स, मानव शरीर की संरचना को समझाने वाले वर्किंग मॉडल, गुरुत्वाकर्षण के नियम, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की जानकारी और सौर मंडल के आकर्षक भित्तिचित्रों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। यहां प्रमुख रूप से प्राची जैन, वंशिका प्रजापत, गौरवी पहारिया, मोहिनी करोलिया, हर्षिता वर्मा आदि बालिकाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अपने वैज्ञानिक और खगोलिय मॉडल के बारे में बताया।

स्मार्ट कक्षा में बालिकाओं से संवाद और भविष्य के सपनों पर चर्चा - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यालय की स्मार्ट कक्षाओं में जाकर बालिकाओं से बेहद आत्मीय और अनौपचारिक संवाद किया। उन्होंने अत्यंत सहजता से बालिकाओं से जाना कि वे भविष्य में क्या बनना चाहती हैं और देश व समाज के लिए क्या योगदान देना चाहती हैं। इस पर बालिकाओं ने भी पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी-अपनी रुचि के अनुसार अपने भविष्य के लक्ष्यों और सपनों के बारे में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके पारिवारिक पृष्ठभूमि, अध्ययन व्यवस्था, विद्यालय में उपस्थिति तथा पढ़ाई से जुड़ी विभिन्न बातों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार शासकीय विद्यालयों के आधुनिकीकरण और बेटियों को शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी क्षेत्र में हर संभव अवसर देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। शासकीय विद्यालयों में इस स्तर की अत्याधुनिक खगोलीय प्रयोगशालाओं का होना नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को सार्थक करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं के बीच विद्यार्थियों को नवाचार एवं वैज्ञानिक सोच विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों को जिज्ञासु बनकर सीखने तथा अपने ज्ञान का निरंतर विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए सतत प्रयासरत रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा विद्यालयी शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और सुलभ बनाने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों एवं योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए स्मार्ट क्लास, विज्ञान एवं नवाचार प्रयोगशालाओं सहित आधुनिक सुविधाओं का विस्तार कर रही है, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, श्री मधु वर्मा तथा श्री मनोज पटेल, श्री सावन सोनकर, श्री सुमित मिश्रा, पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का पवित्र नगरी ओंकारेश्वर में आगमन पर आत्मीय स्वागत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का आज खंडवा जिले की पवित्र नगरी ओंकारेश्वर में गरिमामय आगमन हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु का राज्यपाल श्री मंगु भाई पटेल और संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री तथा प्रभारी मंत्री श्री धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। जनजातीय कार्य एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक मान्धाता श्री नारायण पटेल, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे, खंडवा विधायक श्रीमती कंचन तन्वे, खण्डवा महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने भी उनका स्वागत किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल, डीआईजी खरगोन रेंज श्री सिद्धार्थ बहुगुणा, खंडवा कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक खंडवा श्री अगम जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और अधिकारियों ने भी स्वागत किया।

इंदौर के कुछ क्षेत्रों में हुई बारिश लेकिन 25 जून के बाद ही मानसून देगा दस्तक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में इस बार मानसून करीब पांच से सात दिन की देरी से दस्तक देगा। मानसून की अनुकूल परिस्थितियां नहीं होने के कारण अभी प्री मानसून गतिविधियां ही दिखाई दे रही हैं। सामान्यतः इंदौर में 18 से 20 जून के बीच मानसून का आगमन हो जाता है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक इस बार मानसून की अनुकूल परिस्थितियां नहीं होने से इंदौर में 25 जून के बाद ही मानसून के आगमन की संभावना है। ऐसे में आगामी दिनों में लोकल सिस्टम बनने के कारण ही शहर में प्री मानसून की वर्षा होगी।

शाम को अचानक बदले मौसम से मिली राहत- बुधवार दोपहर गर्मी ने पारा बढ़ाया और शहरवासियों को तपिश से परेशान किया। वहीं शाम को बादल छाए और पांच बजे बाद विजयनगर, एलआईजी, पलासिया सहित शहर के कुछ हिस्सों में वर्षा हुई। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक लोकल सिस्टम बनने के कारण दोपहर में गर्मी के प्रभाव से शाम को बादल छाए और वर्षा हुई।

बुधवार को शहर में अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्राचीन श्री वीरगढ़ी हनुमान मंदिर परिसर की बावड़ी का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज प्राचीन श्री वीरगढ़ी हनुमान मंदिर परिसर का दौरा कर वहां स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन बावड़ी का बारीकी से निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

प्राचीन जल संरचनाओं का होगा कायाकल्प- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हमारी प्राचीन बावड़ियाँ और जल संरचनाएँ हमारी समृद्ध वास्तुकला और जल प्रबंधन की दूरदर्शिता का प्रतीक हैं। इन ऐतिहासिक धरोहरों को संजोना सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निम्नलिखित दिशा-निर्देश दिए-

वैज्ञानिक पद्धति से जीर्णोद्धार की बात कही। बावड़ी के मूल ऐतिहासिक स्वरूप को बिना नुकसान पहुँचाए, वैज्ञानिक पद्धति से इसकी सफाई और जीर्णोद्धार कार्य तत्काल प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और आम जन की सुरक्षा के लिए बावड़ी के चारों ओर मजबूत सुरक्षा जाली अथवा रैलिंग अनिवार्य रूप से लगाई जाए। बावड़ी के प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए तकनीकी उपाय किए जाएं ताकि पारंपरिक जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। मंदिर और बावड़ी के आस-पास के क्षेत्र का व्यवस्थित सौंदर्यीकरण किया जाए, जिससे यहाँ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट किया कि समस्त विकास एवं जीर्णोद्धार कार्य एक निश्चित समय-सीमा तय कर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।

इस अवसर पर नगरीय विकास प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, श्री सुमित मिश्रा, श्री सुदर्शन गुप्ता, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के लिंबोदी तालाब पहुंचकर किया श्रमदान

जल है तो कल है, जल ही जीवन है, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों को जल संरक्षण की दिलाई शपथ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल हैं तो कल हैं। जल ही जीवन का आधार है। जल के बिना जीवन नीरस है। हम प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संरक्षण करें और आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई करें। जल की एक-एक बूंद बचायें और जल को सहेजे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात आज इंदौर के खंडवा रोड़ स्थित करीब 100 वर्ष से अधिक पुराने लिंबोदी तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों के अवलोकन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शहर के प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में तालाबों, कुँओं एवं बावड़ियों का गहरीकरण एवं सफाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत गुड़ी-पड़वा से की थी। इस अभियान के तहत अभी तक प्रदेश में 2 लाख से अधिक जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किये गये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इंदौर शहर में 10 से अधिक बड़े तालाबों तथा 250 से अधिक कुएँ एवं बावड़ियों के संरक्षण का कार्य किया गया है। स्वच्छता में देश और दुनिया में अपनी पहचान स्थापित कर चुका इंदौर अब जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के तालाबों एवं उससे जुड़े जल मार्गों (चैनलों) पर हुए अतिक्रमणों को हटाने के लिये विशेष अभियान संचालित किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिंबोदी तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का अवलोकन किया और श्रमदान किया। साथ ही नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री मधु वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक, श्री बबलू शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम में महापौर श्री भार्गव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में शहर के तालाबों, कुँओं और बावड़ियों के संरक्षण, जीर्णोद्धार और विकास के व्यापक कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि अमृत 2.0 के अंतर्गत तालाब संरक्षण एवं विकास हेतु विभिन्न कार्य किये जा रहे है, जिनमें स्टोन बोल्डर पिचिंग, टो-वॉल निर्माण, बंधान पर रैलिंग, इको फ्रेंडली पाथवे, स्टोन बेंच आदि शामिल है। इन परियोजना की लागत करोड़ों में है।

सिंगोली में सर्वसमाज ने हर्षोल्लास से मनाई महाराणा प्रताप जयंती, 251 दीपों से जगमगाया प्रतिमा स्थल

महंत रामप्रिय दास जी ने किया पंचामृत अभिषेक, वीर शिरोमणि व चेतक को किया जल स्नान, दिया साम्प्रदायिक सद्भावना का संदेश

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू सनातन तिथि अनुसार सर्वसमाज एवं सामाजिक संगठनों ने मिलकर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई। इस अवसर पर नगर में साम्प्रदायिक सद्भावना का संदेश देते हुए सभी समाजजन एक मंच पर एकत्र हुए।

विधि-विधान से हुआ पूजन- कार्यक्रम की शुरुआत में सर्वप्रथम महाराणा प्रताप स्थल पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एवं स्वामी भक्त चेतक की प्रतिमा का जल स्नान कराया गया। तत्पश्चात थड़ोद के महंत रामप्रिय दास जी महाराज द्वारा प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद महंत जी ने माल्यार्पण कर धूप-दीप प्रज्वलित किया।

इसके बाद बारी-बारी से उपस्थित सर्वसमाज जनों ने पुष्प अर्पित कर महाराणा प्रताप को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप अमर रहें, जय शिवा सरदार की, जय राणा प्रताप की के गगनभेदी जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

251 दीपों से सजा प्रतिमा स्थल- कार्यक्रम के अंत में महाराणा प्रताप प्रेमियों द्वारा 251 दीपक प्रज्वलित कर प्रतिमा स्थल को रोशनी से सजाया गया। दीपों की जगमगाहट से पूरा स्थल अलौकिक लग रहा था।

सद्भावना का दिया संदेश- वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप किसी एक समाज के नहीं, बल्कि समूचे राष्ट्र के प्रेरणापुंज हैं। उनका जीवन त्याग, स्वाभिमान और मातृभूमि प्रेम का प्रतीक है। आज के दिन सर्वसमाज का एक साथ आकर उनके चरित्र का अनुशरण कर मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव एक साथ एकता के साथ तत्पर रहना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

ये रहे उपस्थित- इस अवसर पर राजपूत समाज से भंवर सिंह नगपुरा, भंवर सिंह , लालसिंह बरडावदा, प्रदीप सिंह अरनिया, वीरेंद्र सिंह ताल, महेंद्र सिंह पिपरवा, युवराज सिंह अथवा, भंवर सिंह, बलवीर सिंह मेघपुरा गौड़, रतन सिंह, प्रताप सिंह, महेंद्र सिंह, अंतर सिंह, शिवराज सिंह सिंगोली, पुष्पराज सिंह अम्बा, छगन सिंह पिपलदा सहित नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, उपाध्यक्ष मोतीलाल धाकड़, पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजकुमार मेहता, राधेश्याम तिवारी, पार्षद राजेश भण्डारी, सुनील सोनी, जीवन बलाई, हरीश शर्मा, दिनेश जोशी,पंकज तिवारी, राजकुमार छीपा, चुन्नीलाल प्रजापत, सुरज मल जैन, सोनू धाकड़, नाना लाल धाकड़, कन्हैयालाल जंगम, लीलाधर छीपा, कैलाश माली, संदीप गांधी, अर्जुन धोबी, पंकज सेन, प्रकाश रेगर, मनोज लबाना, ईश्वर, दिनेश, सुनील, रमेश, राहुल गाड़ी लौहार, प्रहलाद, विधान, विवेक, पप्पू , कुशाल टांक,सुमित,रोहित, देवराज गंधर्व समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व करणी सेना, परशुराम सेना, महाराणा प्रताप सेना, सर्वसमाज सभी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सहित आसपास के ठिकानों से कई राजपूत समाज एवं सर्वसमाज जन उपस्थित रहे।

प्रशासन आपके द्वार अभियान- कलेक्टर के नेतृत्व में सभी जिला अधिकारी एक ही यात्री बस से ग्राम कंजार्डा हुए रवाना

रात्रि चौपाल एवं जनसमस्या निवारण शिविर में होगा मौके पर समाधान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रशासन आपके द्वार अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के नेतृत्व में जिले के समस्त विभाग प्रमुख आज 18 जून को ग्राम कंजार्डा में आयोजित जिला स्तरीय रात्रि चौपाल एवं जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर से निर्धारित एक ही यात्री बस से रवाना हुए।

अभियान की विशेषताएं- सामूहिक पहल- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा सहित अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश, सीईओ जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव, वन मंडलाधिकारी श्री एसके अटोदे एवं समस्त जिला अधिकारियों ने शासकीय अथवा निजी वाहन का उपयोग न कर एक साथ बस से यात्रा की। इससे शासन की मितव्ययता एवं टीम भावना का संदेश गया।

मौके पर निराकरण- ग्राम कंजार्डा एवं आसपास के ग्रामीणों की राजस्व, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, पेंशन, खाद्यान्न एवं अन्य शासकीय योजनाओं से संबंधित समस्याओं का शिविर में मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

प्रशासन की पहुंच-अभियान का मुख्य उद्देश्य अंतिम छोर के व्यक्ति तक शासन-प्रशासन की पहुंच सुनिश्चित करना तथा जनसमस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान करना है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा कि प्रशासन आपके द्वार केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन की प्रतिबद्धता है।

सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित करेंगे। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं, जहां पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है।

धारा 49 (6) का अड़ंगा समाप्त होने वाला हैं, पेंशनर महासंघ को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सिसौदिया ने दी जानकारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य पुनर्गठन विधेयक की धारा 49 (6)की अड़चन के चलते राज्य के पेंशनरों को केन्द्र के समान महंगाई राहत विलम्ब से मिलता है जिसके कारण पेंशनरों को भारी आर्थिक नुकसान होता है । मन्दसौर के पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने विधानसभा मे अशासकीय संकल्प प्रस्तुत किया था जो ध्वनि मत से पारित हुआ था। इस सम्बंध में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमनसिंह जो अभी छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष है द्वारा वर्ष 2023 मे केन्द्रीय गृहमंत्री मा. श्री अमीत शाह को पत्र लिखा था। म. प्र. विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर द्वारा भी म. प्र. के मुख्यमंत्री जी को दिसम्बर 2024 मे अर्ध शासकीय पत्र लिखकर इस धारा को समाप्त करने करने का निवेदन किया था। ज्ञात हो मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी चाहते हैं कि व्यवस्था सुधरनी चाहिए ।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व मन्दसौर के तात्कालिक विधायक श्री यशपाल सिसौदिया ने सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ मन्दसौर के प्रतिनिधि मण्डल को जानकारी दी है कि मध्य प्रदेश के वित्त विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन को पत्र लिखकर धारा 49 के स्थाई समाधान के लिए सहमती मांगी हैं। श्री यशपाल सिंह सिसौदिया पेंशनरों के हितों की मांग शासन व सरकार तक प्रभावी रूप से रखते हैं। संगठन को सहयोग करने के लिए श्री सिसोदियाजी का आभार भी व्यक्त किया गया। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ मन्दसौर का प्रतिनिधि मण्डल आज दिनांक 18 जून 2026 को मिला जिसमें जिलाध्यक्ष अशोक रामावत, सचिव चन्द्रकान्त शर्मा, कोषाध्यक्ष कोमल वाणावर, कार्यकारिणी सदस्य अजीजुल्ला खान, नगर उपाध्यक्ष प्रभुदयाल शर्मा, नगर सचिव अशोक नागदा आदि पेंशनर उपस्थित थे।

स्वस्थ आयु के लिये योग थीम पर मनाया जाएगा 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून को लायन डेन, नीमच में होगा जिला स्तरीय भव्य आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग, नीमच के संयुक्त तत्वावधान में 21 जून 2026, रविवार को 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ आयु के लिये योग थीम पर मनाया जाएगा।

जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम लायन डेन, नीमच में आयोजित होगा।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं- राष्ट्रीय प्रसारण प्रात 6:30 बजे से कोलकाता से राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। प्रातः 6:45 बजे माननीय प्रधानमंत्री जी का उद्बोधन होगा।

सामान्य योग प्रोटोकॉलः प्रातः 7:00 से 7:45 बजे तक विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सामान्य योग प्रोटोकॉल का योगाभ्यास कराया जाएगा।

व्यापक सहभागिताः कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, योग संस्थाएं, एनसीसी, एनएसएस, पुलिस बल एवं आम नागरिक बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

कार्यक्रम विवरणः दिनांकः 21 जून 2026, रविवार समयः प्रातः 6:00 बजे से स्थान- लायन डेन, नीमच, सभी प्रतिभागियों की उपस्थिति प्रातः 06:00 से पूर्व, अतिथिगण का आगमन प्रातः 06:00 बजे से, अतिथिगण का उदबोधन प्रातः 06:00-06:30, कोलकाता से राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रातः 06:30 बजे से, माननीय प्रधानमंत्री जी का उदबोधन प्रातः 06:45 बजे से, सामान्य योग प्रोटोकॉल का योगाभ्यास प्रातः 07:00-07:45 बजे तक ।

जिले के समस्त नागरिकों, योग प्रेमियों, सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं से अपील की गई है, कि Yoga for Healthy Ageing थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में प्रातः 6:00 बजे से पूर्व, लायन डेन पहुंचकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लें। योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है।

ग्राम भाटखेड़ी बुज़ुर्ग में क्लस्टर स्तरीय जन कल्याण शिविर संपन्न

विधायक श्री अनिरुद्ध मारू की उपस्थिति में 127 आवेदनों का मौके पर निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत मनासा के ग्राम भाटखेड़ी बुजुर्ग में क्लस्टर पंचायतवार जन कल्याण शिविर शुक्रवार को आयोजित किया गया। शिविर में मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू, एसडीएम मनासा श्रीमती किरण आंजना एवं जनपद पंचायत सीईओ श्री आरिफ खान उपस्थित थे।

शिविर में आस-पास की 20 ग्राम पंचायतों के हितग्राही सम्मिलित हुए। बड़ी संख्या में महिलाओं की भी उपस्थिति रही।

योजनाओं की जानकारी- सीईओ श्री आरिफ खान ने ग्रामीणों को शासन के 22 विभागों की 111 जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा पात्र हितग्राहियों को आवेदन करने हेतु प्रेरित किया।

मौके पर निराकरण- विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 127 आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों का विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर ही परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करते हुए निराकरण किया।

विकास कार्यों की सौगात- विधायक श्री अनिरुद्ध मारू ने ग्राम पंचायत भाटखेड़ी बुजुर्ग में आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-4 के 11.22 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया।

शिविर को संबोधित करते हुए विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू ने महिलाओं की अधिक सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की और महिलाओं से स्वरोजगार योजनाओं से जुड़ने का आव्हान किया। उन्होंने सभी विभागों को अंतिम पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए तथा क्षेत्र में चल रहे एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी दी।

एसडीएम श्रीमती किरण आंजना ने भी पात्र हितग्राहियों को आवेदन कर शासकीय योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में सरपंच श्री मनोज पुरोहित ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आस-पास की पंचायतों के सरपंचगण भी उपस्थित थे।

समाजसेवी प्रदीप गनेड़ीवाल परिवार की मंदसौर को दो बड़ी स्वास्थ्य सौगातें

जिला चिकित्सालय में लगेगी अत्याधुनिक मैमोग्राफी मशीन, कार्डियक एम्बुलेंस से मिलेगी आपातकालीन सेवाओं को नई ताकत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई देने की दिशा में समाजसेवी श्री प्रदीप गनेड़ीवाल परिवार द्वारा उनके पिताजी स्व. श्री रणछोड़ प्रसाद जी गनेड़ीवाल की स्मृति मे दो महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजनाओं में सहयोग प्रदान किया गया है। रोटरी क्लब मंदसौर के माध्यम से जिला चिकित्सालय में लगभग 45 लाख रुपये लागत की अत्याधुनिक मैमोग्राफी मशीन स्थापित की जा रही है, जबकि इससे पूर्व आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कार्डियक एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की पहल भी की जा चुकी है।

महिलाओं में बढ़ते स्तन कैंसर के मामलों की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्थापित की जा रही यह मैमोग्राफी मशीन जिले की हजारों महिलाओं के लिए वरदान साबित होगी। मशीन की स्थापना रोटरी क्लब मंदसौर, रोटरी क्लब बाली जिम्बारन एवं श्री प्रदीप गनेड़ीवाल परिवार के सहयोग से की जा रही है।

जिला कलेक्टर आदिति गर्ग की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय परिसर में मशीन स्थापना हेतु आवश्यक कक्ष आवंटित कर दिया गया है तथा तकनीकी प्रक्रियाएं भी प्रारंभ हो चुकी हैं। मशीन के शुरू होने के बाद महिलाओं को जांच के लिए इंदौर, उज्जैन ,उदयपु ‎अथवा अन्य बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर ही अत्याधुनिक जांच सुविधा उपलब्ध होने से समय और धन दोनों की बचत होगी तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का प्रारंभिक अवस्था में पता लगाना संभव हो सकेगा। रोटरी क्लब मंदसौर द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे सेवा कार्यों की यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पूर्व श्री प्रदीप गनेड़ीवाल परिवार के सहयोग से सर्वजनहित श्री गुरु गौतम मुनि जैन सामाजिक एवं शैक्षणिक समिति के लिए लगभग 40 लाख

रुपये लागत की अत्याधुनिक कार्डियक एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की पहल भी की गई थी। यह एम्बुलेंस हृदय रोगियों एवं अन्य गंभीर मरीजों को त्वरित एवं जीवनरक्षक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन दोनों जनहितकारी परियोजनाओं में प्रदीप गनेड़ीवाल परिवार द्वारा रोटरी इंटरनेशनल के माध्यम से उल्लेखनीय आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है। उनके इस योगदान से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी तथा हजारों नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। रोटरी क्लब मंदसौर के अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी ने बताया कि क्लब स्वास्थ्य, शिक्षा और मानव सेवा के क्षेत्र में समाज के सहयोग से निरंतर कार्य कर रहा है। क्लब का उद्देश्य केवल सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। सहायक मंडलाध्यक्ष संजय गोठी ने कहा कि मैमोग्राफी मशीन की स्थापना से महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ेगी तथा स्तन कैंसर की समय रहते जांच और उपचार संभव हो सकेगा। क्लब सचिव कपिल भंडारी ने रोटरी क्लब बाली जिम्बारन एवं श्री प्रदीप गनेड़ीवाल परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक होते हैं। उनके सहयोग से जिले को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं, जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक हजारों लोगों को मिलता रहेगा। मंदसौर में स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल न केवल रोटरी क्लब की सक्रियता का परिचायक है, बल्कि श्री प्रदीप गनेड़ीवाल परिवार की समाजसेवा, जनकल्याण और मानवीय संवेदनाओं के प्रति समर्पित सोच का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से जिले के स्वास्थ्य इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

पद्म पुरस्कार-2027 के लिए नामांकन आमंत्रित, 31 जुलाई 2026 अंतिम तिथि

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2027 के पद्म पुरस्कारों - पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री के लिए ऑनलाइन नामांकन एवं सिफारिशें आमंत्रित की गई हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर 15 मार्च, 2026 से नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रमुख बिंदु-अंतिम तिथि- पद्म पुरस्कार-2027 हेतु नामांकन/सिफारिशें जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 निर्धारित की गई है।

केवल ऑनलाइन- नामांकन/सिफारिशें केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार की जाएंगी। ऑफलाइन प्राप्त किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।

नोडल अधिकारी नियुक्त- उक्त कार्यवाही में आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु श्री योगेश जैन, जिला विज्ञान एवं सूचना अधिकारी, एनआईसी नीमच को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पात्रता- कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए यह सम्मान प्रदान किया जाता है।

जिले के सभी विभाग प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से अपील की है कि नीमच जिले की ऐसी विभूतियों, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है, उनके नामांकन निर्धारित पोर्टल पर समय-सीमा में अवश्य कराएं। विस्तृत जानकारी राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी एवं तकनीकी सहायता के लिए नोडल अधिकारी श्री योगेश जैन, जिला विज्ञान एवं सूचना अधिकारी, एनआईसी नीमच से संपर्क किया जा सकता है।

यंत्र बढ़ने से प्रकृति को यंत्रणा मिल रही है, अतिवाहन वातावरण को प्रदूषित करने का मुख्य कारण-मुनिश्री प्रणम्यसागरजी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत कृषि प्रधान देश था, आध्यात्मिक चिंतक और ज्ञानी लोग यहाँ सुख शांति के साथ रहते थे परन्तु मोह और तृष्णा के कारण लोगों के परिग्रह बढ़ते गये, भारतीय संस्कृति में उपभोग की सामग्रियां अत्यधिक बढ़ती गई जिससे भगवान महावीर के अपरिग्रह अणुव्रत का पालन होना बंद हो गया।

उक्त उद्गार मुनिश्री प्रणम्यसागरजी महाराज ने तारबंगला मंदिर परिसर में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। मुनिश्री ने कहा भारत विकासशील की जगह अब विकसित देशों की श्रेणी में आगे बढ़ रहा है किन्तु मशीनों व फैक्ट्रियों से निकलने वाले दूषित केमिकल व दूषित धुएं ने जलवायु को जहरीला बना दिया है। आज लोगों को सुविधाजनक वस्तुएं एक साथ और शीघ्रता से चाहिये रहती हैं इसके लिए अति तीव्रता से चलने वाले वाहन बढ़ते जा रहे हैं, घरों में जितने लोग नहीं उससे ज्यादा वाहन हो गये जिससे तेल व ऊर्जा की खपत बढ़ी। यंत्र बढ़ने से प्रकृति को यंत्रणा मिल रही है। सड़कों के विस्तार से भूमि पीड़ित हुई, वृक्ष काटे गए, जंगल नष्ट हुए हरियाली समाप्त हुई इससे ना केवल पशु पक्षी बल्कि मनुष्य को भी यंत्रणाएं भुगतना पड़ रही हैं।

मुनिश्री ने बताया आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व आचार्य समन्तभद्र स्वामी ने अतिवाहन अतिचार लिखकर पहले ही बता दिया था कि आगामी काल में अतिवाहन होंगे जो वातावरण को प्रदूषित करने का मुख्य कारण बनेंगे।

जैन दर्शन के अनुसार परिग्रह का परिमाण ही मनुष्य की सुखद जीवन शैली का आधार बन सकता है। महाराज श्री ने पर्यावरण प्रदूषण पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा आज के समय में लिये गये व्रत नियम सबके लिये हितकारी होते हैं। डॉ. चंदा भरत कोठारी ने यह जानकारी देते हुए बताया प्रवचन सभा के प्रारंभ में आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्वलन तथा पाद प्रक्षालन का सौभाग्य श्रीमती सुशीलादेवी जितेन्द्र भूपेन्द्र अमित कोठारी को प्राप्त हुआ। शास्त्र भेंट का लाभ भरत बाहुबली विश्वास सार्थक कोठारी, विपुल गांधी, महावीर पाटनी, निर्मलादेवी भूपेन्द्र धर्मेन्द्र मनोज बड़जात्या, चंद्रकुमार मनीषकुमार पाटनी व महेन्द्र बोथलाल जैन परिवार को प्राप्त हुआ। श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लेने वालो में सकल जैन समाज अध्यक्ष श्री लोकेन्द्र जैन, योगगुरू श्री सुरेन्द्र जैन, जयन्ति लाल दोषी, अशोक अग्रवाल एवं किशनगढ़, भोपाल, इन्दौर, नीमच, जावरा आदि अनेक शहरों के श्रद्धालु शामिल थे। मुनिश्री प्रणम्यसागरजी प्रवास समिति के अध्यक्ष श्री जयकुमार बड़जात्या ने बताया आज 19 जून श्रुत पंचमी के अवसर पर प्रातः श्रुत पूजन और गुरू पूजन का सामूहिक आयोजन किया जाएगा। 21 जून को सुबह 5.30 बजे नूतन स्टेडियम में योग साधना का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों साधक मुनिश्री प्रणम्यसागरजी के सानिध्य में एक साथ अर्हं योग की साधना करेंगे। प्रवचन सभा के प्रारंभ में मंगलाचरण स्नेहलता बड़जात्या व किरण रावका ने किया संचालन डॉ.

शामगढ़ पुलिस की कार्रवाई : प्याज के बीच छिपाया 90 किलो डोडाचूरा, यूपी के दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाना पुलिस ने मादक पदार्थ की धरपकड़ में कार्रवाई की है। पंजाब पासिंग पिकअप वाहन में प्याज के कट्टों के बीच छिपाया 90 किलो डोडाचूरा जब्त किया है। मौके से यूपी के दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। यह कार्रवाई थाना प्रभारी शामगढ़ उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय की टीम द्वारा एसडीओपी दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में की गई।

थाना पुलिस के अनुसार 18 जून को थाना शामगढ़ पर पदस्थ सउनि शिवकुमार सिंह राजावत को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक पंजाब पासिंग सफेद रंग के पिकअप वाहन जिसमें दो व्यक्ति बैठे हैं, जो प्याज के कट्टो के नीचे डोडाचूरा छिपाकर लेकर जाने वाले है, जो सूचना पर कार्यवाही करते हुए ढाबला गुर्जर अंडर ब्रिज के पास सफेद रंग की पिकअप वाहन से दो व्यक्तियो विपीन पिता सुरजपाल नाई उम्र 25 साल निवासी हथनीबुड तहसील दातागंज थाना मुसझांग जिला बदायूं बदायु उत्तरप्रदेश एवं राहुल सिंह पिता भुपेन्द्रसिंह जाति गौर उम्र 34 साल निवासी सरोरी तहसील विशोली थाना वजीरगंज जिला बदायूं उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया गया। पिकअप से प्याज के कट्टो के नीचे छिपाकर ले जाते कुल 90 किलो डोडाचूरा जप्त कर अपराध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों से डोडाचूरा के स्त्रोतो के संबंध में पूछताछ कर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक कपिल सौराष्टीय थाना प्रभारी शामगढ़ , सउनि शिवकुमार राजावत, प्रआर प्रदीप पानेरी, धनपाल जाट, आरक्षक विकास राठौर, विशाल

सिंह, मोकम सिंह, इरफान, कौशलेंद्र का सराहनीय योगदान रहा।

प्रदेश सरकार जनकल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है- श्री परिहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरपालिका कार्यालय परिसर नीमच में गुरुवार को जिला स्तरीय जन कल्याण शिविर का आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार द्वारा गरीब कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा, कि नीमच में मेडिकल कॉलेज की स्थापना और जिला चिकित्सालय में 68 प्रकार की निशुल्क जांच जैसी सुविधाएं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर रही हैं। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिकाधिक पौधारोपण करने एवं स्वच्छता के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

सम्पादकीय

आर्थिक चुनौतियों के बीच चमक रही हैं छोटी कंपनियां

देश के शेयर बाजार को जब उसकी सबसे बड़ी कंपनियों और निफ्टी 50 के लेंस से देखा जाता है तो वह संघर्षरत नजर आता है। लेकिन अगर हम छोटी कंपनियों की ओर देखें तो एक अलग तस्वीर नजर आती है। एक ऐसी तस्वीर जहां जबरदस्त वृद्धि है, मुनाफे का विस्तार हो रहा है ?और मांग में तेजी बनी हुई है। यहां एक विरोधाभास पर गौर करना जरूरी है।

वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में निफ्टी 50 कंपनियों के परिचालन लाभ में केवल 4.1 फीसदी की सालाना वृद्धि हुई और शुद्ध लाभ में मात्र 4.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह लगातार आठवीं तिमाही थी जब कमाई में वृद्धि एक अंक में रही। इसके विपरीत व्यापक निफ्टी 500 सूचकांक की कंपनियों ने परिचालन लाभ में 9.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की जबकि उनके समायोजित शुद्ध लाभ में 16 फीसदी की उछाल आई।

इस अंतर को और अधिक उल्लेखनीय बनाता है यह तथ्य कि दोनों समूहों ने लगभग 11-12 फीसदी की बिक्री वृद्धि दर्ज की लेकिन छोटी कंपनियां मार्जिन की बेहतर रक्षा करने और बढ़ती लागत को संभालने में सक्षम रहीं। भारत की सबसे बड़ी कंपनियों का प्रभुत्व भी धीरे-धीरे कम हो रहा है। सभी सूचीबद्ध कंपनियों के लाभ में उनका हिस्सा लगातार घटा है। यह वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के 51.8 फीसदी से घटकर वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में 49.8 फीसदी और चौथी तिमाही में 47.1 फीसदी रह गया। पिछली तिमाहियों की तरह सबसे आकर्षक प्रदर्शन माइक्रोकैप कंपनियों से आया। उनकी बिक्री 17.5 फीसदी बढ़ी जबकि परिचालन लाभ 22 फीसदी से अधिक बढ़ा।

ऐसे मजबूत प्रदर्शन का लगातार बने रहना आश्चर्यजनक है क्योंकि व्यापक आर्थिक परिदृश्य बिगड़ गया है। पिछले महीने शुद्ध कर राजस्व 6.3 फीसदी गिर गया। ऐसा मुख्यतः माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कमजोर प्राप्तियों के कारण हुआ। फिर भी कई छोटी कंपनियां फल-फूल रही हैं। इसका स्पष्टीकरण उस बदलाव में निहित है जिस पर विश्लेषकों और सतर्क निवेशकों के समुदाय के बाहर बहुत कम ध्यान दिया जाता है।

आज भारत के पास सूचीबद्ध छोटी कंपनियों का असाधारण रूप से समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र है जो उन क्षेत्रों में काम कर रही हैं जिनमें शक्तिशाली और दीर्घकालिक विकास चालक मौजूद हैं। फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, कैपिटल गुड्स, रक्षा और पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण हैं।

बिजली- देश की अनुमानित चरम बिजली मांग वर्ष 2032 तक लगभग 460 गीगावॉट तक पहुंचने की उम्मीद है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए पारेषण अधोसंरचना में भारी निवेश की आवश्यकता होगी। इसमें 1,20,000 सर्किट किलोमीटर से अधिक नई लाइनों, अतिरिक्त सब स्टेशनों और ग्रिड को धीरे-धीरे 220 किलोवोल्ट (केवी) से 400 केवी और 765 केवी नेटवर्क में उन्नत करना शामिल है।

सैद्धांतिक रूप से ही देखें तो आवश्यकता कई लाख करोड़ रुपये की है। फिर भी नियोजित व्यय का एक अंश भी उन स्मॉलकैप कंपनियों के लिए विशाल अवसर प्रस्तुत करता है जो ट्रांसफॉर्मर, स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर, इंसुलेटर, वोल्टेज रेगुलेटर, कैपेसिटर, प्रोटेक्टिव रिले, केबल और स्मार्ट मीटर का निर्माण करती हैं।

फार्मास्युटिकल सेवाएं- यह विकास का एक और शक्तिशाली स्रोत है। भारत की कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट ऐंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (सीडीएमओ) और कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च ऐंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (सीआरएमओ) कम लागत वाले आपूर्तिकर्ताओं से वैश्विक दवा कंपनियों के रणनीतिक साझेदारों में विकसित हो चुकी हैं। अनुमान है कि भारतीय सीडीएमओ बाजार का आकार 19 अरब से 23 अरब डॉलर है जिसकी वार्षिक वृद्धि दर लगभग 12 फीसदी है।

यह कई वर्षों तक टिकाऊ हो सकती है। भारत के पास अमेरिका के बाहर सबसे अधिक यूएस-एफडीए अनुपालन वाले विनिर्माण संयंत्र हैं। यह उद्योग फार्मास्युटिकल दिग्गजों द्वारा नियंत्रित नहीं है। यह एक ज्ञान-गहन व्यवसाय है जिसमें छोटी, विशेषीकृत कंपनियां अक्सर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ रखती हैं।

डेटा सेंटर- डिजिटल अधोसंरचना की मांग लगातार बढ़ रही है और इस क्षेत्र के इस वर्ष लगभग 30 फीसदी तक विस्तार करने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 27 के लिए केंद्रीय बजट ने पात्र विदेशी क्लाउड सेवा प्रदाताओं को 2047 तक कर राहत देकर इस प्रस्ताव को और आकर्षक बना दिया। वैश्विक स्तर पर 2026 में डेटा सेंटर में 180 अरब डॉलर से अधिक निवेश होने की उम्मीद है। लाभ मुख्यतः विभिन्न उपकरणों, बिजली उपकरणों, प्रशीतन प्रणाली, केबलिंग और अन्य सहायक अधोसंरचना के आपूर्तिकर्ताओं को मिलता है। यहां भी अधिकांश लाभार्थी छोटी कंपनियां हैं।

इंजीनियरिंग (पूंजीगत वस्तु, रक्षा)- सरकारी पूंजीगत व्यय, रक्षा स्वदेशीकरण, सरकारी पूंजीगत व्यय, रक्षा स्वदेशीकरण, परिशुद्ध उपकरणों की बढ़ती मांग, फैक्ट्री स्वचालन और निर्यात अवसरों ने मिलकर एक सतत विस्तार चक्र बनाया है। कई कंपनियां आने वाले वर्षों में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं।

अकेलेपन के अवसाद को दूर करता है सहजयोग का सामूहिकता का सिद्धांत

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और मनुष्यों के साथ, मनुष्यों के बीच रहकर ही वो सामान्य जीवन जी सकता है। अकेलापन इंसान को अंदर से खोखला करना शुरू कर देता है, जिससे वो? डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारी से ग्रसित होने लगता है। इंसान किसी न किसी कारण से ही समाज से दूर होने लगता है जैसे- किसी से गहरा आघात पाना, किसी प्रयास में असफल होना, पारिवारिक अशांति, आर्थिक या शारीरिक तकलीफ इत्यादि मनुष्य को अकेलेपन का शिकार बना देता है।

निराशाजनक स्थिति में जब मनुष्य खालीपन अनुभव करता है तब कुछ दिनों तक उसे वह खालीपन अच्छा लगता है क्योंकि उसे लोगों का सामना नहीं करना होता, किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना पड़ता है। पर, धीरे धीरे यही खालीपन की स्थिति उसे गहन अंधकार में ढकेलने लगती है। यह स्थिति इतनी धीरे-धीरे आती है कि मनुष्य को पता ही नहीं चलता।

अपने परिवार समाज में लोगों से मिलजुल कर जब हम अपनी समस्या या दुख किसी से बांटते हैं, तब भले ही हमें उनकी सहायता ना मिले पर अपने मन की बात किसी के सामने रखकर हम अपनी पीड़ा से थोड़ी सी राहत तो पा ही लेते हैं। और.. जहाँ तक मदद की बात है हमसे ज्यादा हमारी मदद कोई और नहीं कर सकता है।

सहज ध्यान योग में सामूहिकता का सबसे ज्यादा महत्व है। सहज योग पद्धति से जब हम ध्यानावस्था में होते हैं तब कुंडलिनी जागरण से हमारे अंदर प्रवाहित होने वाले चैतन्य, हमारे साथ बैठे साधकों के चैतन्य से मिल जाता है और उसका प्रभाव दुगुना हो जाता है। ईश्वर से एकाकारिता इस चैतन्य को इतनी शक्तिशाली बना देती है कि यदि साथ बैठे साधकों में यदि नकारात्मकता होगी तो धीरे धीरे वह उस नकारात्मकता से मुक्ति पा लेगा। यही वो कारण है जिसके कारण सहज योग में सामूहिकता की अनिवार्यता है। और जैसे कि पहले ही कहा गया है कि स्वयं की मदद सिर्फ हम ही कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में नकारात्मकता को अंगीकार कर अकेलेपन को स्वीकार नहीं करना है। ध्यान योग सीखकर, ध्यान मे बैठकर, स्वयं की स्थिति को स्वयं समझना और सकारात्मक ऊर्जा से स्वयं को जोड़ने का प्रयास सभी को करना चाहिए क्योंकि हम सिर्फ अपने लिए नहीं अपने परिवार के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। अतः चलिए सहज योग से जुड़ते हैं और अपने अंदर के सद्गुणों को पहचान कर, ईश्वर ने जो सुंदर जीवन दिया है, उसकी कद्र करते हुए शांतिपूर्ण, खुशहाल जीवन जीने के लिये स्वयं पहल करते हैं।

डांसिंग गर्ल- जिसे ढककर हम खुद को उजागर कर बैठे

इतिहास बदलने के लिए बड़े फैसलों की जरूरत नहीं होती; कभी-कभी एक छोटी-सी शेडिंग ही काफी है। सिंधु घाटी सभ्यता की कांस्य प्रतिमा ÷डांसिंग गर्ल÷ आज इसी कारण विवाद में है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त लगभग 4500 वर्ष पुरानी (2500-2300 ईसा पूर्व) यह प्रतिमा भारतीय पुरातत्व की महत्वपूर्ण धरोहरों में गिनी जाती है। एक हाथ कमर पर रखे आत्मविश्वास से खड़ी यह किशोरी केवल कलाकृति नहीं, बल्कि उस सभ्यता की सहजता, कलाबोध और आत्मविश्वास का प्रमाण है। हाल ही में एनसीईआरटी की कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक 'मधुरिमा' में उसके नग्न धड़ को शेडिंग से ढक दिया गया। मामूली दिखने वाला यह बदलाव राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया। सवाल प्रतिमा का नहीं, उस दृष्टि का है जिससे हम अपने अतीत को देख रहे हैं। क्या हम इतिहास को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार कर रहे हैं, या उसे अपने समय की नैतिक कसौटियों के अनुरूप बदल रहे हैं?

डांसिंग गर्ल केवल प्रतिमा नहीं, एक सभ्यता का आत्मविश्वास है। लॉस्ट-वैक्स तकनीक से बनी यह 10.5 सेंटीमीटर कांस्य मूर्ति दिखाती है कि सिंधु सभ्यता धातु-कला, सौंदर्य-बोध और रचनात्मकता में कितनी विकसित थी। उसकी मुद्रा उस समाज की सहजता का प्रमाण है, जहाँ शरीर संकोच का विषय नहीं था। दशकों तक यह प्रतिमा एनसीईआरटी की पुस्तकों में बिना बदलाव प्रकाशित होती रही और लाखों विद्यार्थियों ने इसे इतिहास के प्रमाण के रूप में देखा। ऐसे में अचानक इसे ÷उम्र के अनुकूल÷ बनाने की जरूरत क्यों महसूस हुई? क्या इतिहास को इतिहास की तरह दिखाना अब पर्याप्त नहीं है? यह बदलाव केवल चित्र का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो अतीत को उसकी वास्तविकता से नहीं, बल्कि वर्तमान की असहजताओं से परिभाषित करती है।

यह बदलाव केवल संपादन नहीं, इतिहास की पुनर्रचना जैसा है। इतिहासकार मिशेल डैनिनो ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए इसे ÷सेंसरशिप÷ और ÷फर्जी कलाकृति÷ का निर्माण बताया। उनका तर्क था कि किसी ऐतिहासिक वस्तु का मूल रूप बदलने पर विद्यार्थी वास्तविक इतिहास नहीं, बल्कि उसका संपादित संस्करण देखते हैं–यह बौद्धिक अन्याय है। उन्होंने इसे प्राचीन भारत पर विक्टोरियन नैतिकता थोपने की कोशिश भी कहा। विडंबना यह है कि जिस सभ्यता ने कला को सहज स्वीकार किया, उसके प्रतीकों पर आज कृत्रिम शालीनता लादी जा रही है। जबकि इतिहास का काम सुविधा के अनुसार बदलना नहीं, बल्कि असुविधाजनक सच्चाइयों से रूबरू कराना है।

यह विवाद भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की समझ पर सवाल खड़ा करता है। खजुराहो के मंदिर, कोणार्क का सूर्य मंदिर, अजंता-एलोरा की चित्रकला और गुप्तकालीन मूर्तिशिल्प बताते हैं कि भारतीय कला में मानव शरीर सदैव सौंदर्य और अभिव्यक्ति का माध्यम रहा है। यहाँ नग्नता को अश्लीलता नहीं, बल्कि स्वाभाविकता, शक्ति, सृजन और सौंदर्य का प्रतीक माना गया। कामसूत्र की परंपरा वाली इस सभ्यता में यदि आज अपनी ही कलात्मक विरासत पर असहजता होने लगे, तो प्रश्न उठता है–बदल इतिहास रहा है या हमारी दृष्टि? डांसिंग गर्ल की नग्नता अश्लीलता नहीं, उस युग की सांस्कृतिक सहजता का प्रमाण है। उसे ढकने का प्रयास उस समझ को ढकने जैसा है, जिसने उस कला को जन्म दिया था।

इस विवाद की एक और परत भीतर का विरोधाभास खोलती है। एनसीईआरटी की कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान पुस्तक में यही प्रतिमा अपने मूल रूप में है, जबकि कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक में उसका संशोधित रूप दिखाया गया है। एक ही संस्था की दो पुस्तकों में एक ही ऐतिहासिक वस्तु के दो अलग-अलग रूप शिक्षा की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाते हैं। क्या हम छात्रों को इतिहास पढ़ा रहे हैं या उसे अपने वर्तमान मानकों के अनुसार ढाल रहे हैं? यह केवल एक चित्र का मामला नहीं, बल्कि उस प्रवृत्ति का संकेत है जहाँ पाठ्यक्रम संशोधन के नाम पर इतिहास और पुरातत्व पर वैचारिक दबाव दिखने लगता है। जब तथ्य बदलते हैं, तो शिक्षा का आधार कमजोर पड़ता है।

सांस्कृतिक संवेदनशीलता का तर्क नकारा नहीं जा सकता। कुछ अभिभावक और शिक्षक मानते हैं कि किशोर विद्यार्थियों के सामने नग्नता का प्रदर्शन सावधानी से होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है–समाधान समझाना है या छिपाना? शिक्षा का दायित्व संदर्भ देना है, न कि तथ्य बदलना। यदि किसी कलाकृति में नग्नता है, तो छात्रों को बताया जा सकता है कि प्राचीन कला में उसका अर्थ आधुनिक दृष्टि से अलग था–वह शक्ति, सौंदर्य, स्वतंत्रता और स्वाभाविकता का प्रतीक भी हो सकती है। हर असहज तथ्य पर शेडिंग चढ़ाते रहेंगे तो अगली पीढ़ी इतिहास नहीं, उसका सुविधाजनक संस्करण पढ़ेगी। तब पाठ्यपुस्तकें दस्तावेज़ कम और कल्पना अधिक बन जाएँगी।

शिक्षा मंत्रालय के स्पष्टीकरण और सार्वजनिक आलोचना के बाद एनसीईआरटी ने मूल छवि बहाल करने का निर्णय लिया। डिजिटल संस्करण में तुरंत संशोधन हुआ और भविष्य की मुद्रित प्रतियों में भी मूल प्रतिमा प्रकाशित करने की घोषणा की गई। यह कदम स्वागत योग्य है, लेकिन सवाल छोड़ता है कि शुरुआत में यह परिवर्तन क्यों किया गया। यह निर्णय दिखाता है कि पाठ्यपुस्तकें अब केवल शैक्षणिक सामग्री नहीं, बल्कि वैचारिक संघर्ष का भी हिस्सा बन चुकी हैं। यह घटना याद दिलाती है कि संवेदनशीलता और सेंसरशिप की रेखा बहुत पतली है, और उसे पार करने पर संस्थाओं पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

डांसिंग गर्ल विवाद किसी प्रतिमा का नहीं, हमारे आत्मविश्वास का है। राष्ट्रीय संग्रहालय में रखी यह डांसिंग गर्ल हर वर्ष असंख्य विद्यार्थी और पर्यटक देखते हैं, और कोई उसे अश्लीलता नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की उपलब्धि मानता है। यदि हम अपनी विरासत को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार नहीं कर सकते, तो उसके गौरव पर गर्व भी अधूरा है। इतिहास को ढक देने से वह बदलता नहीं, केवल हमारी समझ सीमित होती है। पाठ्यपुस्तकें ज्ञान की खिड़कियाँ हैं, नैतिकता की दीवारें नहीं। डांसिंग गर्ल को उसकी पूर्ण वास्तविकता के साथ स्वीकार करना ही उस सभ्यता का सच्चा सम्मान है, जिसने हजारों वर्ष पहले आत्मविश्वास को कांस्य में ढाल दिया था।

-प्रो. आरके जैन

आत्मनिर्भरता स्वाभिमानी राष्ट्र का प्रतीक

स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं,पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी।

हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी दैव दैव आलसी पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है।

-संजीव ठाकुर

आखिरी आदमी की सांसों में बसा कर्मयोद्धा नेता

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं रहते, वे एक युग का निर्माण करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व ऐसा ही एक युगबोध बनकर उभरा है। जून 2026 में उन्होंने स्वतंत्र भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह उपलब्धि केवल दिनों की संख्या का रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि उस विश्वास, जनसमर्थन और विकास-यात्रा का प्रतीक है, जिसने भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था, शासन-प्रणाली और वैश्विक छवि को नई दिशा दी है। लोकतंत्र में किसी नेता की वास्तविक सफलता उसके पद की अवधि से नहीं, बल्कि उसके कार्यों के प्रभाव से मापी जाती है। यदि शासन की कसौटी अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है, तो मोदी युग का सबसे बड़ा योगदान यही है कि उसने विकास को सरकारी फाइलों और घोषणाओं से निकालकर सामान्य नागरिक के जीवन तक पहुंचाया है। यह वही अवधारणा है जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'अंत्योदय' कहा था-समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने लंबी विकास यात्रा तय की है। जवाहरलाल नेहरू ने नवस्वतंत्र भारत की संस्थागत नींव रखी। लोकतंत्र, वैज्ञानिक चिंतन, सार्वजनिक संस्थानों, शिक्षा, अनुसंधान तथा औद्योगिक विकास की आधारशिला उन्हीं के समय में रखी गई। किंतु समय के साथ यह भी स्पष्ट हुआ कि योजनाएं बनाना और उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना दो अलग-अलग चुनौतियां हैं। दशकों तक सरकारी योजनाओं और लाभार्थियों के बीच बिचौलियों की एक लंबी श्रृंखला खड़ी रही, जिसके कारण विकास का बड़ा हिस्सा रास्ते में ही समाप्त हो जाता था। वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब भारत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। आर्थिक सुस्ती, भ्रष्टाचार के आरोप, अधूरी परियोजनाएं, प्रशासनिक जड़ता और जनता में घटता विश्वास प्रमुख चिंताएं थीं। ऐसे समय में उन्होंने शासन की परंपरागत शैली को बदलते हुए तकनीक, पारदर्शिता और जवाबदेही को केंद्र में रखा। यह परिवर्तन केवल नीतियों का नहीं, बल्कि शासन के दर्शन का परिवर्तन था।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली का विस्तार है। जनधन खाते, आधार और मोबाइल तकनीक को जोड़कर एक ऐसी व्यवस्था विकसित की गई, जिसने सरकारी सहायता को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना संभव बनाया। इससे न केवल भ्रष्टाचार और रिसाव में कमी आई, बल्कि करोड़ों लोगों को पहली बार यह अनुभव हुआ कि सरकार वास्तव में उनके द्वार तक पहुंच सकती है। गरीब, किसान, महिला, छात्र, वृद्ध और श्रमिक-सभी वर्गों को इसका लाभ मिला। वित्तीय समावेशन की दिशा में जनधन योजना ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई। जिन परिवारों के पास कभी बैंक खाता नहीं था, वे औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा बने। यह केवल बैंक खाते खोलने की योजना नहीं थी, बल्कि आर्थिक सशक्तीकरण का एक नया अध्याय था। इसी प्रकार उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धुएं से भरे रसोईघरों से मुक्ति दिलाई। स्वच्छ ईंधन ने उनके स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन किया।

मोदी युग की एक बड़ी पहचान आधारभूत संरचना का अभूतपूर्व विस्तार भी है। सड़कों, एक्सप्रेस-वे, रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल नेटवर्क के क्षेत्र में जिस गति से कार्य हुआ, उसने विकास को नए पंख दिए। आज छोटे शहर भी हवाई संपर्क से जुड़ रहे हैं। गांवों तक सड़कें पहुंच रही हैं। रेलवे का तीव्र आधुनिकीकरण हो रहा है। वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें भारत की तकनीकी क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक बन गई हैं। आवास योजना के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए। जिन लोगों ने वर्षों तक कच्ची झोपड़ियों में जीवन बिताया, उनके लिए अपना घर केवल एक भवन नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है। इसी प्रकार जल जीवन मिशन ने करोड़ों घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य किया। शौचालय निर्माण अभियान ने स्वच्छता को जनांदोलन का रूप दिया। ये परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन स्तर में दिखाई देते हैं।

कृषि क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं। इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने किसानों के लिए आय के नए अवसर खोले हैं। किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जादाता के रूप में भी उभर रहे हैं। जैव ईंधन, प्राकृतिक खेती, कृषि अवसंरचना और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के प्रयास किए गए हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है। डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। आज भारत का डिजिटल भुगतान मॉडल दुनिया के लिए अध्ययन का विषय बन गया है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने आर्थिक लेन-देन को सरल, तेज और पारदर्शी बनाया है। डिजिटल तकनीक का उपयोग केवल सुविधा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सुशासन का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, व्यापार और प्रशासन-हर क्षेत्र में डिजिटल क्रांति का प्रभाव दिखाई देता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज भारत केवल एक विकासशील राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की क्षमता वाले देश के रूप में देखा जा रहा है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावशाली उपस्थिति, वैश्विक संकटों में संतुलित भूमिका और विकासशील देशों की आवाज बनने का प्रयास भारत की बढ़ती शक्ति को दर्शाता है। इनदिनों के जी-7 शिखर सम्मेलन में सदस्य न होने पर भी मोदी का दबदबा होना- विदेश नीति में आत्मविश्वास और संतुलन के नये स्वर दृशाता है। मोदी युग की एक विशेषता यह भी है कि उसने राष्ट्रवाद को विकास से जोड़ा है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल आर्थिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास का अभियान है। रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष अनुसंधान, स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार और विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियां इसी सोच का परिणाम हैं। भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और नवप्रवर्तक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास-ये केवल राजनीतिक नारे नहीं, बल्कि शासन के मार्गदर्शक सूत्र के रूप में स्थापित हुए हैं। इनका उद्देश्य विकास को समावेशी बनाना है, ताकि समाज का कोई वर्ग पीछे न रह जाए। यही कारण है कि विकास योजनाओं का केंद्र अब वही व्यक्ति है, जो कभी व्यवस्था के हाशिए पर खड़ा था। निस्संदेह, किसी भी लंबे शासनकाल की तरह मोदी सरकार की नीतियों और निर्णयों पर बहस और आलोचना भी होती रही है। लोकतंत्र में यह स्वाभाविक और आवश्यक है। किंतु यह भी सत्य है कि पिछले बारह वर्षों में शासन की कार्यशैली, विकास की गति और नागरिकों की अपेक्षाओं में एक व्यापक परिवर्तन दिखाई देता है। आज नागरिक केवल वादे नहीं सुनना चाहता, बल्कि परिणाम देखना चाहता है। यही लोकतांत्रिक परिपक्वता की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी विशेषता शायद यही है कि उन्होंने शासन को एक जनांदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया है। वे स्वयं को शासक नहीं, बल्कि 'प्रधान सेवक' के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनकी कार्यशैली में निरंतरता, परिश्रम, लक्ष्य के प्रति समर्पण और राष्ट्र को सर्वोपरि रखने का भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि वे देश के सबसे लोकप्रिय नेताओं में गिने जाते हैं और विश्व मंच पर भी एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में स्थापित हुए हैं।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प केवल आर्थिक समृद्धि का लक्ष्य नहीं है। यह एक ऐसे भारत की परिकल्पना है जो आत्मनिर्भर, समावेशी, तकनीकी रूप से उन्नत, सांस्कृतिक रूप से आत्मविश्वासी और सामाजिक रूप से संवेदनशील हो। इस दिशा में मोदी युग ने अनेक आधारभूत परिवर्तन किए हैं, जिनका प्रभाव आने वाले दशकों में और अधिक स्पष्ट होगा। आज जब भारत अमृतकाल की यात्रा पर अग्रसर है, तब यह कहा जा सकता है कि नरेंद्र मोदी का योगदान केवल योजनाओं और परियोजनाओं तक सीमित नहीं है। उन्होंने करोड़ों भारतीयों में यह विश्वास जगाया है कि परिवर्तन संभव है, विकास सबका अधिकार है और राष्ट्र की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। अंत्योदय से विकसित भारत तक की यह यात्रा उसी विश्वास, संकल्प और कर्मयोग की कहानी है, जिसने आधुनिक भारत के निर्माण को नई गति और नई दिशा प्रदान की है।

-ललित गर्ग

पश्चिम एशिया में शांति, लेकिन भारत के लिए चुनौतियां बरकरार

अमेरिका और ईरान के समझौते के करीब पहुंचने और पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त होने की संभावनाओं से जुड़ी खबर ने बाजारों पर सकारात्मक असर डाला है। इससे होर्मुज स्ट्रेट के दोबारा खुलने की उम्मीद जगी है। कच्चे तेल की कीमतों में भी कमी आई है। शेयर कीमतों ने वापसी की है। उम्मीद है कि इस समझौते पर 19 जून को हस्ताक्षर हो जाएंगे और अगले दो महीनों में होने वाली बातचीत समझौते को अंतिम रूप दे देगी। वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को वापस सामान्य होने में अभी कुछ महीने का समय लगेगा या कम से कम पहले जैसे हालात होने में वक्त लगेगा। लेकिन, संकट के हालात अब सुधरते नजर आ रहे हैं।

भारत में डॉलर के मुकाबले रुपया कुछ सुधरा है। बॉन्ड यील्ड में कमी आई है। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ने हाल में जो कदम उठाए हैं उन्होंने विदेशी जमा और बॉन्ड में विदेशी निवेश के जरिये विदेशी मुद्रा के प्रवाह को गति प्रदान की है। ये कदम भुगतान संतुलन में बढ़ते घाटे को लेकर चिंताओं को दूर करने में मदद करेंगे।

भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमतें, जो भारत की तेल रिफाइनरियों के रिफाइनिंग में होने वाले खर्च पर असर डालती हैं, मार्च, अप्रैल और मई में 106 से 114 डॉलर प्रति बैरल की सीमा में रहने के बाद अब गिरावट पर हैं। यह जनवरी में औसत 63 डॉलर और फरवरी में 69 डॉलर की कीमत से बहुत ज्यादा वृद्धि थी। इस सोमवार अमेरिका-ईरान शांति समझौते की खबर आने के बाद भारतीय बास्केट कच्चे तेल की कीमत घटकर 83 डॉलर प्रति बैरल हो गई है।

भारत की सरकारी तेल रिफाइनरियों का बिक्री पर होने वाला घाटा भी कम हो रहा है। यह पेट्रोल पर लगभग 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर लगभग 27 रुपये प्रति लीटर रह गई है। खुदरा मुद्रास्फीति दर के बेकाबू होने का डर भी अब कम हो रहा है क्योंकि सरकार पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में अगली वृद्धि करने से पहले दो बार सोचेगी।

सरकार और रिजर्व बैंक में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रबंधकों को अब राहत की सांस लेनी चाहिए। लेकिन संकट का समाधान होने से दूर आगे की चुनौतियां उतनी ही कठिन बनी हुई हैं जितनी वे संकट के उभरने से पहले थीं। अर्थव्यवस्था में इस तरह के झटके को सहने की क्षमता हो सकती है लेकिन उस भावना से उत्पन्न आत्मसंतुष्टि या शिथिलता की वजह से सरकार के ध्यान को उन नीतिगत सुधारों पर केंद्रित करने से नहीं रोकना चाहिए जिन्हें बिना किसी और देरी के लागू करना आवश्यक है। फिलहाल सरकार को कम से कम दो तात्कालिक प्राथमिक कदमों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

पहला तेल क्षेत्र पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है। असम, नागालैंड और केंद्र सरकार के बीच पूर्वोत्तर में तेल भंडारों में शीघ्र खुदाई पर त्रिपक्षीय समझौते को देश के कच्चे तेल भंडार के 22 फीसदी से अधिक और गैस भंडार के 15 फीसदी हिस्से वाले इस क्षेत्र में आगे की लंबी और आवश्यक यात्रा की शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए।

कठोर वास्तविकता यह है कि भारत की कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता 2014-15 में खपत के 84 फीसदी से बढ़कर 2025-26 में 90 फीसदी हो गई है। निश्चित रूप से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने कच्चे तेल की अधिक मांग पैदा की लेकिन आयात निर्भरता बढ़ने में योगदान घरेलू उत्पादन में तेज गिरावट का भी था जो 2014-15 में 3.6 करोड़ टन से घटकर 2025-26 में 2.6 करोड़ टन रह गया। प्राकृतिक गैस का आयात भी बढ़ा है जिसकी घरेलू खपत में हिस्सेदारी इसी अवधि में लगभग 40 फीसदी से बढ़कर 50 फीसदी से अधिक हो गई।

सरकार ने घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए नई नीतियां लागू कीं। इनसे गैस उत्पादन में कुछ परिणाम मिले लेकिन तेल उत्पादन ने नीचे की दिशा बनाए रखी। पेट्रोलियम मंत्रालय की हालिया पहलें जैसे वाहनों के लिए एथनॉल-आधारित ईंधन के अधिक उपयोग को प्रोत्साहित करना स्वागत योग्य है लेकिन मंत्रालय को समान उत्साह के साथ घरेलू कच्चे तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने के प्रयास भी तेज करने चाहिए।

दूसरा, सरकार के पास उपलब्ध राजकोषीय गुंजाइश को लेकर चिंतित होने के कारण हैं क्योंकि पश्चिम एशियाई संकट के बाद उठाए गए विभिन्न कदमों के चलते सालाना व्यय का अतिरिक्त बोझ लगभग 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में कटौती से लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ, आर्थिक स्थिरीकरण कोष के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का आवंटन, उर्वरक सब्सिडी का अतिरिक्त बोझ लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना हेतु 18,000 करोड़ रुपये का आवंटन शामिल है।

यदि अन्य मदों के तहत व्यय बचत से इसकी भरपाई नहीं की जाती तो यह अतिरिक्त खर्च बोझ केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 5.3 फीसदी तक बढ़ा देगा जबकि बजट में यह आंकड़ा 4.3 फीसदी रखा गया था। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि या तो कर उपायों के माध्यम से राजस्व बढ़ाया जाए या कुछ अन्य कदम उठाए जाएं।

तेल कंपनियां खुदरा कीमतें नहीं बढ़ा पा रही थीं इसलिए उन पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का असर कम करने के लिए केंद्र सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की। जैसे ही अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं वित्त मंत्रालय को विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में की गई कटौती को वापस लेना चाहिए और राजकोष पर पड़ने वाले बोझ को कम करना चाहिए।

उर्वरक सब्सिडी का बिल बजट में अनुमानित 1.7 लाख करोड़ रुपये से दोगुना होकर लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का डर है।

-धनंजय राजौरा

गायत्री साधक को मातृ जन्म शताब्दी वर्ष में प्रतिदिन कम से कम 4 घंटे समयदान देना जरूरी है - महेश केवट

जिला स्तरीय शताब्दी संकल्प अनुयाज कार्यशाला गायत्री शक्तिपीठ पर संपन्न हुई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में देशभर में शताब्दी अनुयाज संकल्प कार्य शालाओं का आयोजन लगातार किया जा रहा है, इसी कड़ी में गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर देवास पर भी इन्दौर उपजोन प्रभारी महेश केवट के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय शताब्दी संकल्प कार्यशाला संपन्न हुई जिसका एक ही उद्देश्य कार्यकर्ताओं में संकल्प शक्ति का जागरण करना है।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि अति विशिष्ट जिला स्तरीय शताब्दी संकल्प अनुयाज कार्यशाला में इंदौर उपजोन प्रभारी महेश केवट, बाबूलाल खंडेलवाल, प्रमोद निहाले, देवीशंकर तिवारी, हरिराम जिराती, रमेशचन्द्र मोदी ने संबोधित किया द्य

कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं श्रीवेदमाता गायत्री व गुरु वंदना के साथ हुई जिसमें गायत्री शक्तिपीठ की देवकन्याओं ने मधुर प्रज्ञा गीतों से समां बांध दिया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में इंदौर उपजोन प्रभारी महेश केवट ने संगठन पर जोर देते हुए कहा कि आज गायत्री साधक को मातृ जन्म शताब्दी वर्ष में प्रतिदिन कम से कम 4 घंटे समयदान देना जरूरी है साथ ही हमारा प्रत्येक कार्यकर्ता किसी न किसी मंडल से जुड़ा होना अति आवश्यक है। मंडलों का विस्तार करना हम सभी परिजनों का सबसे महत्वपूर्ण कार्य हैं। कार्यशाला में बाबूलाल खंडेलवाल ने कैसे हो हमारे कार्यकर्ता और उनका स्व अनुशासन एवं संस्थान रिकॉर्ड रिपोर्टिंग विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। शताब्दी अनुयाज कार्यशाला में युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने नशाबंदी एवं कुरीति उन्मूलन आंदोलन पर विस्तार से समझाया और प्रशिक्षण में आए कार्यकर्ताओं को नशे और पर्यावरण संरक्षण पर बारीकी से जागरूक करने का सफल प्रयास किया।

आयोजन में गायत्री परिवार के देवीशंकर तिवारी, रमेशचन्द्र मोदी, हरिराम जिराती ने भी अपने-अपने विषयों पर गंभीरता से प्रकाश डाला और कार्यकर्ताओं को संकल्पित किया। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सहयोग करने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं का सम्मान भी किया गया। अति विशिष्ट कार्यशाला में जिले की संपूर्ण तहसीलों से कार्यकर्ताओं के रूप में राजेन्द्र पोरवाल, रमेशचन्द्र मेहता, कपिलेश वाडेकर, सतीश तिवारी, राधेश्याम सोलंकी, पुष्करलाल गुप्ता, श्यामा तोमर, संध्या शिवहरे, हरिप्रसाद पांडे, राजेंद्र शर्मा, डॉ. राजेंद्र व्यास, उमेश दुबे, डॉ. जीवनसिंह पटेल, कांतिलाल मंडलोई, शेषनारायण परमार, दिलीप सोलंकी, डॉ. रूपसिंह नागर, कन्हैयालाल मोहरी, रामनिवास कुशवाह, महेश चौधरी, चंद्रिका शर्मा, सुरेश बालपांडे, हजारीलाल चौहान, सालगराम सकलेचा, मंजू पटेल, गणेशचन्द्र व्यास सहित जिले के सैकड़ो कार्यकर्ता अनुयाज कार्यशाला में शामिल हुए। शताब्दी अनुयाज कार्यशाला का संचालन लेखा चौहान ने किया एवं आभार सतीश शर्मा ने माना ।

एएमडी दिव्यांक सिंह ने हाटपीपल्या और बागली जल प्रदाय परियोजनाओं का किया निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) के अपर प्रबंध संचालक दिव्यांक सिंह ने देवास जिले की हाटपीपल्या एवं बागली जल प्रदाय परियोजनाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि दोनों निकायों में वर्तमान में जल प्रदाय का प्रायोगिक परीक्षण संचालित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सिंह ने प्रायोगिक परीक्षण की वास्तविक स्थिति जानने के लिए स्वयं घर-घर जाकर नागरिकों से संपर्क किया तथा जल आपूर्ति व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। नागरिकों ने जल प्रदाय व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान दिव्यांक सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि दोनों क्षेत्रों में नियमित एवं सुचारु जल प्रदाय सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए समयसीमा का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर दिव्यांक सिंह के साथ उज्जैन इकाई के परियोजना प्रबंधक डी.आर. लोधी, उप परियोजना प्रबंधक श्री लालचंद कुरेठिया तथा सहायक परियोजना प्रबंधक संदीप शिंदे सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

देवास जॉब पोर्टल द्वारा देवास में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 22 जून को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में देवास जॉब पोर्टल के माध्यम से जिले के युवाओं को निजी संस्थाओं में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव (रोजगार मेले) का आयोजन 22 जून 2026 को 11.00 बजे 03.00 बजे तक रोजगार कार्यालय चामुण्डा कॉम्पलेक्स चतुर्थ मंजिल देवास आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में 5वीं पास, आईटीआई डिप्लोमा तथा स्नातक तक की योग्यता वाले आवेदकों को निजी संस्थाओं में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। रोजगार मेले में देवास से वी.ई कमर्शिलयल, भारतीय जीवन बीमा निगम, आईपीएस कॉन्ट्रेक्टर, एम काशिफ कान्ट्रेक्टर देवास एवं मॉ चामुण्डा देवास, वीर विजय हनुमान मैनेजमेंट द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के लिए भर्ती की जाएगी। उन्होंने नौकरी के लिए इच्छुक आवेदक कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत करें। इस हेतु किसी प्रकार का मार्ग व्यय देय नही हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय के के दूरभाष नंबर–07272-252296 पर संपर्क कर सकते हैं।

फिर नगर में पसरने लगा अतिक्रमण, एम्बुलेंस को ही नहीं मिल रहा रास्ता

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल के बाहर बढ़ते अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण मरीजों और आपातकालीन सेवाओं को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य मार्ग पर बार-बार जाम लगने से एंबुलेंस को अस्पताल परिसर में पहुंचने में बाधा आ रही है। वहीं आसपास बेतरतीब हो रही वाहनों की पार्किंग की वजह से भी परेशानी बढ़ रही है। अस्पताल परिसर के बाहर सड़क किनारे दोपहिया वाहन बेतरतीब ढंग से खड़े किए जा रहे हैं। इसके साथ ही अस्थायी दुकानों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, जिससे अस्पताल के प्रवेश द्वार पर भीड़ और जाम की स्थिति बनी रहती है। 108 एंबुलेंस और डायल-112 के माध्यम से गंभीर मरीजों को अस्पताल लाया जाता है, लेकिन सड़क पर खड़े वाहनों और अतिक्रमण के कारण एंबुलेंस को अस्पताल परिसर में प्रवेश करने में काफी समय लग रहा है। 108 एंबुलेंस चालक मुकेश ने बताया कि कई बार उन्हें 10 से 15 मिनट तक हार्न बजाकर इंतजार करना पड़ता है। वाहन मालिकों या दुकान संचालकों द्वारा गाड़ी हटाने के बाद ही एंबुलेंस अंदर जा पाती है। उन्होंने यह भी कहा कि अतिक्रमण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अप्रैल माह में प्रशासन की अतिक्रमण हटाओ मुहिम ने शहर की सूरत बदल दी थी। इस कार्रवाई की लोगों ने प्रशंसा भी की थी, लेकिन उसके बाद जो कार्रवाई थमी तो आज तक शुरू नहीं हो सकी।

अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में मिली नई जिंदगी: 30 वर्षीय महिला ने गंभीर बीमारी को हराया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीवन में कभी-कभी ऐसी कठिन परिस्थितियाँ आती हैं, जहाँ उम्मीद की एक किरण ही सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक मामला सामने आया है, जहाँ 30 वर्षीय महिला 'ताजो बी' ने एक गंभीर बीमारी एकेलेसिआ कार्डिया से जंग जीतकर नई जिंदगी की शुरुआत की।

ताजो बी पिछले 3 वर्ष से भोजन निगलने में कठिनाई, उल्टी और कमजोरी जैसी समस्याओं से जूझ रही थीं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह इलाज कराने में असमर्थ थीं। धीरे-धीरे उनकी हालत इतनी बिगड़ गई कि सामान्य जीवन जीना भी मुश्किल हो गया।

ऐसे कठिन समय में उन्हें प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का सहारा मिला। इस योजना के तहत उनका इलाज अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में पूरी तरह निःशुल्क किया गया।

अस्पताल में वरिष्ठ सर्जन डॉ. उमेश जेठवानी (एमएस, एमसीएच , लैप्रोस्कोपिक एवं कैंसर सर्जरी विशेषज्ञ) के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम मेडिकल ओन्कोलोजी डॉ. हेमंत मित्तल डॉ. निखिल चौधरी ,डॉ. शफक , डॉ. शुभम एनेस्थीसिया डॉ. प्रेमकृषण ने उनकी स्थिति का गहन परीक्षण किया। इसके बाद लैप्रोस्कोपिक कार्डियोमायोटॉमी एवं फंडोप्लिकेशन सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यह एक जटिल लेकिन अत्याधुनिक प्रक्रिया है, जिसमें मरीज को न्यूनतम दर्द और जल्दी रिकवरी मिलती है।

ऑपरेशन के बाद ताजो बी की हालत में तेजी से सुधार हुआ। अब वह बिना किसी परेशानी के भोजन कर पा रही हैं और उनके चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई है।

मरीज द्वारा बताया गया की ÷मैंने कभी सोचा नहीं था कि मुझे इतना अच्छा इलाज मुफ्त में मिलेगा। डॉक्टरों ने मुझे नया जीवन दिया है। आज मैं फिर से सामान्य जिंदगी जी पा रही हूँ।÷

डॉ. उमेश जेठवानी ने बताया कि समय पर इलाज मिलने से यह गंभीर बीमारी पूरी तरह ठीक की जा सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी को लंबे समय तक निगलने में परेशानी हो, तो उसे नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें।

अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की यह मामला न केवल चिकित्सा क्षेत्र की सफलता का उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सरकारी योजनाएँ सही समय पर जरूरतमंदों के लिए जीवनदायी साबित हो सकती हैं। ताजो बी की कहानी उन लाखों लोगों के लिए उम्मीद की एक किरण है, जो आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित रह जाते हैं।

नहीं थम रही पेड़ों की अवैध कटाई, फिर एक विशाल पेड़ को किया धराशायी

वन विभाग और लालघाटी पुलिस ने बनाया पंचनामा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर सहित जिले भर में पेड़ों की अवैध कटाई धड़ल्ले से की जा रही है। गुरूवार को भी कुछ लोगों ने लोंदिया रोड पर आम के एक हरेभरे पेड़ को काट दिया। सूचना मिलने पर पहुंची वन विभाग ओर लालघाटी पुलिस की टीम को पेड़ की कटाई करने वाले तो नहीं मिले, लेकिन मौके से 20 क्विंटल लकड़ियां जरूर मिली।

गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे सूचना मिलने पर लालघाटी पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर वन विभाग को करीब 20 क्विंटल से अधिक आम की कटी हुई लकड़ी मिली। बताया गया कि घटनास्थल पर पांच लोग भी मौजूद थे। टीम ने पूरे मामले का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई। घटना के बाद वन विभाग ने मौके पर पंचनामा तैयार किया। आगे की कार्रवाई के लिए मामले से संबंधित दस्तावेज राजस्व विभाग को भेजे गए हैं। अधिकारियों द्वारा यह भी पता लगाया जा रहा है कि पेड़ की कटाई किन परिस्थितियों में की गई।

फिर बढ़ने लगी पेड़ों की कटाई- जिले में पेड़ों की अवैध कटाई और लकड़ी के परिवहन के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हरायपुरा क्षेत्र और कालेज के सामने स्थित नहर मार्ग से ट्रैक्टरों के जरिए दिन-रात लकड़ी का परिवहन किया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध कटाई और तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ऐसे मामलों में बढ़ोतरी हो रही है।

टीम भेजकर कार्रवाई की जाएगी- मामले को लेकर वन विभाग पदस्थ रेंजर प्रेमलता मौर्य ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्रों में टीम भेजी जाएगी और निगरानी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अवैध लकड़ी परिवहन की शिकायतों को देखते हुए रात्रि गश्त भी बढ़ाई जाएगी। यदि कोई व्यक्ति लकड़ी का अवैध परिवहन करते पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आम के पेड़ की कटाई के मामले में भी जांच जारी है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आया वृद्ध, बारिश के चलते पेड़ के नीचे बैठा था, हो गया हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया तहसील के ग्राम गोविंदा निवासी एक वृद्ध की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

इन दिनों जिले भर में मौसम बदलने से आंधी व गरज-चमक के साथ बारिश हुई। जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। मोहन बड़ोदिया के समीप ग्राम गोविंदा में भी जब भंवरलाल पिता बाबूलाल पाल (60) अपने घर लौट रहा था तभी रास्ते में अचानक बारिश शुरू हो गई। जिसके चलते वह एक पेड़ के नीचे जाकर खड़ा हो गया। तभी अचानक आसमान से तेज धमाके के साथ बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर भंवरलाल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे ग्रामीण मोहन बड़ोदिया के स्वास्थ्य केंद्र लाए जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेजा जहां से पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

टॉर्च की रोशनी में किया पीएम, अभी तक जर्जर है पीएम रूम- शाम करीब शाम 7 बजे मो.बड़ोदिया के पीएम रूम में टॉर्च की रोशनी में शव का पीएम किया गया। जिसमें पीएम कर रहे कर्मचारी को काफी समस्या का सामना करना पड़ा। मोहन बड़ोदिया का पीएम रूम काफी समय से जर्जर अवस्था में है। जिसके बारे में कई बार वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के उपरांत भी मोहन बड़ोदिया में नवीन पोस्टमार्टम रूम नहीं बना। जर्जर पीएम रूम में ना तो खिड़की दरवाजे व्यवस्थित है और न ही छत के हालात ठीक हैं जो कभी भी धराशायी हो सकती है।

दिन में गर्मी, शाम को बारिश ने दी राहत, लगातार दूसरे दिन भी बदला मौसम, शाम को फिर हवाओं के साथ बरसे बादल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जून की चिलचिलाती गर्मी बर्दाश्त कर रहे शहरवासियों पर शाम होते ही नगर का मौसम मेहरबान हो रहा है। बुधवार को भी दिनभर तपने के बाद नगर में हल्की बारिश से ठंडक घुल गई थी। गुरूवार को भी मौसम के यही हाल रहे और शाम को नगर में रूक-रूककर बारिश होती रही जिससे मौसम में ठंडक घुल गई।

इन दिनों नगर में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं, जिसके चलते नगर में शाम को मौसम बदल रहा है और बारिश हो रही है। दो दिनों से मौसम के यही हाल हैं। गुरूवार को भी सुबह से दोपहर तक आसमान साफ था और धूप खिली हुई थी। शाम करीब 4 बजे अचानक मौसम बदला और आसमान पर बादल छा गए। तेज हवाओं के साथ कुछ देर बाद बारिश शुरू हो गई। जिससे बचने के लिए लोगों को छाते लेकर निकलना पड़ा। इसके कुछ देर बाद बारिश थम गई, लेकिन कुछ देर बाद शुरू हुई आंधी के साथ एक बार फिर बादल बरस पड़े। जिसके चलते करीब आधे घंटे तक नगर में हल्की बारिश होती रही, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि गुरूवार को नगर का अधिकतम तापमान 38.2 और न्यूनतम तापमान 24.4 दर्ज किया गया। इस दिन आद्रता 49 प्रतिशत दर्ज की गई और उत्तर-पश्चिमी हवाओं की गति 14 किमी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि कुछ दिनो तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा और शाम को बारिश की संभावना बनी हुई है। इस दौरान तेज आंधी भी चल सकती है।

प्री-मानसून गतिविधियां भले ही लोगों को राहत दे रही हैं, लेकिन नगरवासियों को अब मानसूनी बारिश का इंतजार है। किसानो की माने तो प्री-मानसून गतिविधियों के तहत हो रही इस बारिश से जमीन में नमी लौटेगी और बोवनी में काफी मदद भी मिलेगी। लेकिन उन्हें भी मानसूनी बारिश का इंतजार है ताकि पर्याप्त वर्षा होने की स्थिति में वे बोवनी के कार्य की शुरूआत कर सकें। वहीं मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया की माने तो 15 से 23 जून के बीच मानसूनी बारिश शुरू होने की संभावना है।

जगह-जगह लगे थे गंदगी के ढेर, निरीक्षण पर निकले नपाध्यक्ष बिफरे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में निरीक्षण पर निकले नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन का नगर में जगह-जगह लगे गंदगी के ढेर से हुआ। इस पर उन्होंने सफाईकर्मियों को बुलाया और जमकर फटकार लगाई। उन्होंने 24 घंटे में सफाई व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर में नियमित दवाई के छीड़काव के भी निर्देश दिए। ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन एवं स्वास्थ्य सभापति दुष्यंत सोनी ने गुरुवार को नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान मुख्य मार्गों पर कचरा पड़ा हुआ मिला तो कई जगह नालियों में गंदा पानी जमा था जिसमें कचरा भी भरा हुआ था। जिसमें मच्छर पनप रहे थे। जिससे लोगों को समस्या हो रही थी। इस पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन ने संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि 24 घंटे के भीतर वार्डों की सफाई व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर में प्रतिदिन नियमित साफ-सफाई की जाए तथा सार्वजनिक शौचालयों की दिन में दो बार धुलाई एवं सफाई हो, ताकि वहां किसी प्रकार की बदबू और गंदगी न रहे तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

अध्यक्ष ने मच्छरों और बीमारियों की रोकथाम के लिए दवा का नियमित छिड़काव करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होना चाहिए और नगर की स्वच्छता व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर सुधारा जाए।

इस अवसर पर उन्होंने चेतावनी दी कि सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा नगर पालिका की टीम द्वारा प्रतिदिन वार्डों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी। यदि इस कार्य में लापरवाही की जाएगी तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

भारतीय किसान संघ ने सीएम व कलेक्टर के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों ने खेती-किसानी के कार्य में आ रही समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री व कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार गौरव पोरवाल को सौंपा। जिसमें किसानों ने खेती-किसानी के कार्य में आ रही समस्याओं का उल्लेख करते हुए इनके निराकरण की मांग की गई।

किसानों ने बताया कि कृषि कार्यों के लिए डीजल को केन (डिब्बे) में उपलब्ध कराने की अनुमति दी जाए। क्योंकि नई व्यवस्था के कारण ट्रैक्टर को बार-बार पेट्रोल पंप तक ले जाना पड़ता है, जिससे 10 से 20 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है और समय व खर्च दोनों बढ़ते बर्बाद होते हैं। किसानों ने सोयाबीन फसल के लिए प्रति बीघा एक बोरी यूरिया उपलब्ध कराने की मांग भी की। इसके साथ ही गुणवत्तायुक्त सोयाबीन बीज पर 75 प्रतिशत सब्सिडी देने की अपील की गई। ज्ञापन में किसानों ने रबी सीजन के लिए अगस्त माह से ही खाद वितरण के टोकन जारी करने की मांग की। इसके अलावा एमपीके खाद के बढ़े हुए दामों को वापस लेने या प्रति बोरी 500 रुपए की सब्सिडी देने की भी बात रखी गई। ज्ञापन में किसानों ने बिना स्पॉट सर्वे के कृषि पंपों की हॉर्स पावर बढ़ाने के निर्णय को निरस्त करने की मांग की। इसके अलावा सोलर पंप योजना के नए आवेदन शुरू करने और लंबित आवेदकों को शीघ्र पंप उपलब्ध कराने की मांग की गई।

ग्राम पंचायत खटाम्बा के आयोजित जनकल्याण शिविर में पहुंचे मुख्य सचिव श्री जैन, ग्रामीणों से चर्चा कर लिया फीडबैक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत छूटे हुये पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने एवं सुशासन और जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुँचाने के उद्देश्य से जिले में 'जनकल्याण शिविरों' का आयोजन किया जा रहा है। जनपद पंचायत देवास की ग्राम पंचायत खटाम्बा में आयोजित जनकल्याण शिविर में मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन पहुँचे। मुख्य सचिव श्री जैन ने जनकल्याण शिविर में ग्रामीणों के बीच पहुँचकर उनसे आत्मीय संवाद कर फीडबैक लिया। इस दौरान संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह, कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, डीएफओ श्री अमित सिंह, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन, एसडीएम श्री अभिषेक शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने औपचारिकता से दूर हटकर सीधे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनसे बातचीत की और शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानी। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने शासकीय योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्य सचिव श्री जैन के समक्ष अपनी स्थानीय और व्यक्तिगत समस्याएँ रखीं। मुख्य सचिव श्री जैन ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए निराकरण के निर्देश दिये।

देवास जिले के पर्यटन स्थलों पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया। कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालें शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों जेईई और नीट की तैयारी के लिए पुस्तकें दी गई। इन विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। शिविर में संबल योजना, सामाजिक न्याय विभाग की पेंशन योजना, मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना, आयुष्मान योजना, लाडली लक्ष्मी योजना सहित अन्य हितग्राहिमूलक योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को दिया गया। शिविर में विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया और अपनी समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ शासकीय योजनाओं का लाभ उठाया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी के लिए लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई एवं पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भी जमा किए गए। युवाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से शिविर में एक विशेष रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें निजी कंपनियों द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की गईं।

करकी सहकारी दुग्ध उत्पादक समिति के नवीन भवन का लोकार्पण एवं बोनस वितरित

दूध का भाव 9 प्रति फैट होना चाहिए – मोती सिंह पटेल

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करकी सहकारी दुग्ध उत्पादक समिति के निर्मित नवीन भवन का लोकार्पण एवं बोनस वितरण कार्यक्रम गुरुवार को हर्षोल्लास से संपन्न हुआ।

18 जून 2026 इंदौर सहकारी दुग्ध संघ से संबद्ध करकी दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति में बुधवार को वर्ष 2024-2025 का बोनस वितरण एवं नवीन भवन लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में 65 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को कुल 1,56,823.80 का बोनस वितरित किया गया। साथ ही 4,50,000 की लागत से निर्मित समिति के नवीन भवन का लोकार्पण भी किया गया।

सर्वाधिक बोनस श्री हेमसिंह राठौर को 11,730 श्री प्रकाश राठौर को 7,500 एवं श्री बनेसिंह केवट को 7,300 की बोनस राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम में इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री मोती सिंह पटेल मुख्य अतिथि, पूर्व अध्यक्ष मध्य प्रदेश खाद्य आपूर्ति निगम श्री राजेश अग्रवाल कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा मध्य प्रदेश कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष श्री सैयद फारूक उद्दीन शेख विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष शेर सिंह राठौड़ एवं समिति सचिव लक्ष्मण सिंह सिसोदिया ने किया

मुख्य अतिथि मोती सिंह पटेल ने कहा कि सहकारिता की असली ताकत यही है। निजी व्यापारी को दूध देने पर मुनाफा व्यापारी के घर जाता है, जबकि दुग्ध समिति में दूध देने पर किसानों को दूध का भुगतान तो मिलता ही है, साथ ही बोनस के रूप में मुनाफे की राशि भी वापस मिलती है। आज संस्था का अपना नवीन भवन भी बनकर तैयार हुआ है, यह सब किसानों की एकजुटता का परिणाम है।

श्री पटेल ने वर्तमान दूध खरीदी दर पर चिंता जताते हुए कहा कि इंदौर दुग्ध संघ द्वारा वर्तमान 8रु50 पैसे प्रति फैट की दर से दूध खरीदा जा रहा है। महंगाई को देखते हुए यह भाव बहुत कम है। दूध का भाव कम से कम 9 50 पैसे प्रति फैट होना चाहिए, तभी पशुपालकों को सही मेहनताना मिलेगा।

कार्यक्रम अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन का व्यवसाय भी अपनाएं। इससे किसानों की आमदनी में निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी।

विशेष अतिथि शहनवाजउद्दीन शेख ने कहा कि किसान खेती के साथ पशुपालन एवं दुग्ध व्यवसाय को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। सहकारी समितियां इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह हेम सिंह रतन सिंह पीएस भाटिया रोहित नगर शिवनारायण बड़वाया विनायक राव पंकज सोलंकी नरेंद्र सिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक किसान, समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन पीएस भाटिया ने किया एवं रोहित नागर ने आभार माना।

श्री राम मारुति पंचदिवसीय महायज्ञ का भव्य शुभारंभ, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ ध्वजा पूजन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। प्रतिवर्षानुसार सीयाराम आश्रम स्थित पीपली वाले हनुमान जी मंदिर में परम पूज्य महंत मंडलेश्वर श्री 1008 अमृत दास जी महाराज त्यागी, अध्यक्ष षट्दर्शन विरक्त संत मंडल बड़नगर के पावन सान्निध्य में आयोजित श्री राम मारुति पंचदिवसीय महायज्ञ के शुभारंभ अवसर पर मुख्य ध्वजा पूजन का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।

ध्वजा पूजन वैदिक रीति-विधान से सम्पन्न हुआ। प्रयागराज से पधारे विद्वान आचार्य पंडित निलेश शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया। मुख्य यजमान श्री वैष्णो दास महाराज ने विधिवत पूजा-अर्चना कर धर्मध्वजा का पूजन किया। कार्यक्रम में महंत रामस्वरूप दास जी महाराज एवं मंदिर के पुजारी रामानुदास जी महाराज की विशेष उपस्थिति रही।

इस अवसर पर डॉ. वासुदेव काबरा, सत्यनारायण शर्मा (पूर्व प्रबंधक), सुरेश व्यास, विनोद मकवाना, अरविंद व्यास (पत्रकार), रामेश्वर चावड़ा, सतीश नीमा, प्रहलाद चावड़ा, गेंदालाल चौहान, शंकरलाल परमार, विष्णु गोयल, विवेक मिश्रा, मुकेश खटोड़, लाभचंद कुमावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमीजन उपस्थित रहे।

ध्वजा पूजन के दौरान जय श्रीराम एवं हनुमान जी के जयघोष से पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण में गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने यज्ञ महोत्सव की सफलता, विश्व कल्याण तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए धर्मलाभ प्राप्त किया।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का समापन समारोह आयोजित

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का समापन समारोह का आयोजन पुलिस अधीक्षक कार्यालय में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार की उपस्थिति में खिलाडियो एवं प्रशिक्षको को निरंतर खेलो के प्रति आगे बढने की बधाई दी। साथ ही ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में आरोह 2026 के प्रशिक्षको को पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तथा जिला खेल अधिकारी श्रीमती रूचि शर्मा के द्वारा ट्रेकसुट किट तथा 5000 रूपये की प्रोत्साहन राशि के डमी चेक दिये गये। कार्यक्रम में मल्लखम्ब प्रशिक्षक जितेन्द्र धुलिया, ग्रामीण युवा समन्वय दुर्गा डामोर, ममतासिंह, प्रिति चरपोटा, राशिद खान, शाहिद हुसैन, दुर्गाशंकर मोयल, मोहित पथरोड उपस्थित थे ।

कलेक्टर ने 7 आवेदकों को प्रदान किए अनुकंपा नियुक्ति पत्र

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा जिले में लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 12 जून 2026 को कलेक्टर कार्यालय झाबुआ में विभिन्न विभागों में लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर के दौरान आवेदकों को उनके प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्रतानुसार नियुक्ति प्रदान करने का आश्वासन दिया गया था।

कलेक्टर के निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही करते हुए गुरुवार को 7 पात्र आवेदकों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. भरसट ने सभी नियुक्त अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ शासकीय दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

राजस्व विभाग (भू-संसाधन प्रबंधन) के अंतर्गत श्री दिनेश भाबर को पटवारी पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई। जनजातीय कार्य विभाग के प्रकरण में सुश्री साक्षी त्रिपाठी पिता स्वर्गीय श्री निर्मल त्रिपाठी को प्राथमिक शिक्षक (विज्ञान) पद पर नियुक्ति प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त जनजातीय कार्य विभाग में श्री राजकुमार पिता स्वर्गीय श्री बाबूलाल गरवाल, श्री अविनाश पिता स्वर्गीय श्री कन्हैयालाल कटारा, श्री पियुष माता स्वर्गीय श्रीमती बसन्ती पारगी, श्रीमती जेमा पति स्वर्गीय श्री पंकज गणावा तथा श्री राकेश पिता स्वर्गीय श्री अमरसिंह डामोर को नियमित चतुर्थ श्रेणी भृत्य पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न विभागों में लंबित अन्य अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों को भी शीघ्र प्रस्तुत कर पात्रतानुसार उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र परिवारों को समय पर राहत एवं रोजगार का अवसर उपलब्ध हो सके।

अवैध खनन एवं परिवहन पर खनिज विभाग की कार्यवाही, पांच वाहन जप्त

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशों के पालन में खनिज अधिकारी झाबुआ श्री जुवानसिंह भिडे द्वारा 18 जून 2026 को सीएम हेल्पलाइन शिकायत की जांच के दौरान अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए पांच वाहनों को जप्त किया गया।

कार्रवाई के दौरान ग्राम खवासा, तहसील थांदला में ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी-45-एसी-1155 को मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए जप्त किया गया। उक्त वाहन चालक श्री अशोक पिता रामचंद्र सिंगाड़ निवासी मखोड़िया खवासा तथा वाहन स्वामी श्री शांतिलाल पिता पन्नालाल निवासी खवासा की उपस्थिति में वाहन को पुलिस चौकी खवासा की अभिरक्षा में सौंपा गया।

इसी प्रकार ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी-43-एसी-7357 को खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए जप्त किया गया। वाहन चालक श्री संतोष पिता ढोला निवासी रावटी, जिला रतलाम की उपस्थिति में उक्त वाहन को पुलिस चौकी बामनिया की अभिरक्षा में दिया गया। इसके अतिरिक्त कृषि उपज मंडी पेटलावद क्षेत्र में खनिज मुरूम का अवैध उत्खनन करते हुए एक जेसीबी क्रमांक एमपी-43-ज़ेडडी-5861 एवं दो बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त किए गए। यह कार्यवाही अवैध उत्खननकर्ता श्री कचरू पिता शंकरलाल राठौर निवासी रायपुरिया रोड, पेटलावद की उपस्थिति में की गई तथा जप्त वाहन थाना पेटलावद की अभिरक्षा में सौंपे गए।

अमझेरा पहुंचे भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर

अमझेरा/ आशीष-पंचोली/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्ण और अमर शहीद महाराजा बख्तावरसिंह जी की नगरी में भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का प्रथम आगमन हुआ कार्यकर्ताओ द्वारा ढोल नगाड़े, पुष्पहार के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया टेलर ने रुक्मणी हरण स्थल मां अमका झमका माता मन्दिर पहुंच कर पूजन किया साथ ही अमर बलिदानी महाराजा बख्तावर सिंह जी और मनावर चौराहा स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यर्पण किया साथ ही युवा साथियो को अपने कार्य के प्रति प्रेरित किया इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय दीक्षित के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जय सूर्या, युवती प्रमुख गायत्री पुरोहित , युवा मोर्चा जिला मंत्री शुभम दीक्षित,रवि पाठक, नीलांबर शर्मा , भगवान खंडेलवाल , जगदीश काग, प्रकाश पाटीदार , सुरेश पाटीदार , कान्हा पाटीदार ,अभिजीत पंडित ,अर्जुन गामड़ , राकेश इमलियार, अजय भाभर , धर्मेंद्र देवड़ा , हुकुम सिंह सुनेर, सोनू रघुवंशी, प्रेम केवट , हेमंत शर्मा, विशाल केवट , मांगीलाल सोलंकी , आदि मौजूद रहे।

शहरी क्षेत्र झाबुआ में ट्रक/भारवाहक वाहनों के प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 में विहित प्रावधानों के अंतर्गत मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मार्गों पर ट्रक/भारवाहक वाहनों के झाबुआ शहर में प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया। स्थान एवं प्रतिबंधित मार्ग पर प्रातः 07ः00 बजे से रात्रि 08ः00 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जिसमें भोयरा रोड़ अमृत आरओ वाटर प्लांट- कुंदनपुर व पिटोल से आने वाले भारी वाहन, करड़ावद हनुमान मंदिर- गुजरात दाहोद, पिटोल, थान्दला व मेघनगर मार्ग से आने वाले भारी वाहन, रंगपुरा अंडर ब्रिज हाईवे- कल्याणपुरा, रायपुरिया, पेटलावद, रतलाम व बदनावर मार्ग से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन, पारा फाटा झाबुआ- कालीदेवी, सरदारपुर, धार व इंदौर से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन एवं राणापुर रोड पर महर्षि त्रिपुरा नर्सिंग कॉलेज तिराहा- राणापुर, जोबट आदी।

चातुर्मास 2026 हेतु दिलीप कांठेड़ अध्यक्ष मनोनीत

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्द्धमान स्थानकवासी श्रीसंघ की बैठक में आगामी चातुर्मास 2026 हेतु सर्वसम्मति से दिलीप कांठेड़ को अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

बैठक की अध्यक्षता संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद सांवेरवाला ने की। अध्यक्ष पद के लिए दिलीप कांठेड़ के नाम का प्रस्ताव चंद्रशेखर खिंदावत ने रखा, जिसका उपस्थित सदस्यों ने समर्थन किया।

इस अवसर पर चन्दनमल संघवी, दिलीप ओरा, विजय संधवी, निर्मल चपलोद, विनोद राठोड, किशोर राठोड,रवि संघवी, सतीश जैन,श्रेणिक बम, रमेश तांतेड़, पारस पोखरना, संदीप चपलोद, सहित समाजजन उपस्थित रहे।

दिलीप कांठेड़ के चातुर्मास 2026 के अध्यक्ष पद पर मनोनयन होने पर वर्द्धमान स्थानकवासी श्रीसंघ के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं इष्टमित्रों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

बैठक का संचालन अरविन्द नाहर ने किया तथा आभार सतीश जैन सांवेरवाला ने माना।

गुर्जर बर्डिया में धूमधाम से मनाई महाराणा प्रताप जयंती, वीरता और स्वाभिमान को किया नमन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम गुर्जर बर्डिया में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा, उत्साह एवं गौरव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन भगवान विष्णु मंदिर परिसर में किया गया, जहां उपस्थित नागरिकों एवं युवाओं ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा महाराणा प्रताप अमर रहें और भारत माता की जय के जयघोषों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के अद्वितीय साहस, स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति एवं त्यागपूर्ण जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मातृभूमि, धर्म और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। कठिन परिस्थितियों और अभावों के बावजूद उन्होंने कभी भी अन्याय और अधर्म के सामने सिर नहीं झुकाया। उनका संघर्ष केवल मेवाड़ के लिए नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए था। वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्त्रोत है। युवाओं को उनके आदर्शों, त्याग, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर समाज एवं देशहित में कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महान योद्धा महाराणा प्रताप को शत-शत नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ग्राम के अनेक वरिष्ठजन, गणमान्य नागरिक, युवा एवं समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नगर परिषद ने मालीपुरा में किया तृतीय लोक कल्याण शिविर का आयोजन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सुसनेर द्वारा बुधवार को मालीपुरा में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से तृतीय लोक कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, पार्षद नईम मेव, राकेश कानुडिया ने उपस्थित होकर हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए। शिविर में वार्ड क्र एक, दो, तीन, चार एव 14, 15 के हितग्राही से पीएम स्वनिधि योजना, स्वनिधि क्रेडिट कार्ड, विभिन्न पेंशन योजना, नवीन नल कनेक्शन, नोड्युज प्रमाण पत्र, समग्र संबंधित कार्य, भवन अनुज्ञा, आधार कार्ड अपडेट, महिला एवं बाल विकास के प्रधानमंत्री मातृ वंदना, मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना आदि योजनाओं के नवीन आवेदन लिए गए। इस अवसर पर शिविर के नोडल अधिकारी नरेश कुमार सिंह, प्रभारी शहजादी खान, सामुदायिक संगठक जगदीश परमार, अक्षय गुहाटिया, राम वाल्मीकि, अरुण मकवाना, जगदीश जोशी, अशोक विश्वकर्मा, शहिद खान ,धमैन्द्र सिंह उमठ, मुकेश माली, लोकेश भट्ट, जाहिद खान, जगदीश कानुडिया, आकिब खान सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन

तृतीय, चतुर्थ, पाँचवा एवं छटा निविदा आमंत्रण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संघारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑन लाईन निविदाओं का आंमत्रण लोक निर्माण विभाग में 'सी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रतिशत आधार, आईटम रेट आधार एवं लमसम आधार पर किया जाता हैं।

नि.स.क्रं .	प्रपत्र का प्रकार	कार्य का विवरण	कार्य की अनु लागत	प्रतिभूति राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	पमयावधि	निविदा क्रय की अंतिम तिथि	दर प्रस्तुत करने की अंतिमतिथि
2025_UAD_432768_3	2.10	वार्ड क्रं. 21 में विभिन्न स्थानों पर बोरिंग खनन में सिंगल फेज मोटर पंप सेट मय आवश्यक सामग्री प्रदाय कार्य।	1725925/–	34520/–	2000/–	02 माह	29.06.2026	29.06.2026
2026_UAD_478233_3	2.10	नगर पालिक निगम के विभिन्न कचरा सेंटरों पर बोरिंग खनन एवं मोटर पंप स्थापना कार्य।	976999/–	19540/–	2000/–	01 माह	29.06.2026	29.06.2026
2026_UAD_478234_3	2.10	वार्ड क्रं. 33 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर हैण्डपंप स्थापना कार्य।	131728/–	2640/–	1000/–	01 माह	29.06.2026	29.06.2026
2025_UAD_432806_4	2.10	वार्ड क्रं. 39 में विभिन्न स्थानों पर बोरिंग खनन कर सिंगल फेज मोटर पंप मय आवश्यक सामग्री स्थापना कार्य।	422919/–	8460/–	2000/–	01 माह	29.06.2026	29.06.2026
2025_UAD_433201_5	2.10	वार्ड क्रं. 25 में बोरिंग खनन कर सिंगल फेज मोटर पंप मय आवश्यक सामग्री स्थापना कार्य।	226259/–	4530/–	2000/–	01 माह	29.06.2026	29.06.2026
2025_UAD_433190_5	2.10	वार्ड क्रं. 20 में विभिन्न स्थानों पर बोरिंग खनन कर सिंगल फेज मोटर पंप मय आवश्यक सामग्री स्थापना कार्य।	423874/–	8480/–	2000/–	01 माह	29.06.2026	29.06.2026
2025_UAD_447660_5	2.10	वार्ड क्रं. 17 एवं 35 अंतर्गत विभिन्न 2 स्थानों पर एफ.डी.आर. बोरिंग खनन कर हेण्डपंप स्थापना कार्य।	349913/–	7000/–	2000/–	01 माह	29.06.2026	29.06.2026
2023_UAD_304675_6	2.10	वार्ड क्रं.22 के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर इनवेल बोरिंग खनन एवं सिंगल फेज 2 हा.पा. मोटर पंप मय आवश्यक सामग्री के स्थापना कार्य।	436302/–	8730/–	2000/–	01 माह	29.06.2026	29.06.2026

निविदा संबंधित अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा सूचना की जानकारी वेब साईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन दर्शाई गई हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. संधा. खण्ड न.पा.नि. उज्जैन

आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन

देपालपुर में छात्रों द्वारा एसडीएम कार्यालय पर ज्ञापन दिया

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर से इंदौर के लिए छात्रों के लिए सिटी बस चालू करवाने हेतु छात्रों ने तहसीलदार मोदी को ज्ञापन दिया, विगत कई दिनों से इंदौर देपालपुर मुख्य मार्ग पर आये दिन इंदौर पढ़ने वाले छात्रों के एक्सीडेंट हुए, जिसमे कई घरो के चिराग बुझ गए। इसी समस्या के समाधान के लिए देपालपुर एवं आस पास के ग्रामीण छात्रों ने देपालपुर एसडीएम कार्यालय पर ज्ञापन दिया,

उपस्थित ?छात्र शुभम सोलंकी,अभिषेक बड़वाया, विकास जाधव, चेतन दरबार, हरदयाल परिहार, युवराज मकवाना, विशाल बाथम, दीपक पांचाल, सूरज (गुल्लू) दरबार, शिवम दरबार, जतिन सोलंकी, पंकज गौड़ , नितिन डाबी, प्रद्युम्न जाट, शौर्य जैन,नयन तहसीलदार साहब के समक्ष ज्ञापन वाचन अनुभव जी नकुम द्वारा किया गया एवं समस्त छात्रगणो कि उपस्थिति रही।

कार्यालय नगर पालिक निगम, उज्जैन (म.प्र.)

//नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना//

क्रमांक: सम्पत्तिकर/2026/665 उज्जैन, दिनांक : **15/06/2026**

सर्व सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि, मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अंतर्गत सम्पत्तिकर झोन कार्यालय, नगर पालिक निगम उज्जैन में नामांकन हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :

झोन क्र.	वार्ड क्र.	प्र.क्र.	सम्बन्धित सम्पत्ति का पूर्ण पता (जिसका नामांकन होना है)	सम्पत्ति स्वामी का नाम	आवेदक का नाम, जिसका नामांकन होना है	नामांकन का आधार
05	40	1346	भू.क्र. 37 सर्वे 114 भाग पवासा उज्जैन	जगपाल सिंह पिता सुरेन्द्रसिंह झाला निवासी नरवर	1 रेखा पति स्व जगपाल सिंह 2 जयदीप सिंह 3 निशा निवासी नरवर उज्जैन	शपथ पत्र/मृत्यु प्रमाण पत्र
05	41	1307	भू.क्र. 10 ब्लाक न 9 मणी नगर कालोनी नीमनवासा उज्जैन	राहुल पिता शांतिमल बंसल निवासी इन्दौर	1 ज्योति पति कुलदीप सिंह 2 कुलदीप सिंह पिता विजय बहादुर सिंह, निवासी मणी नगर	विक्रय पत्र,
05	40	1312	भू.क्र. 2 सर्वे 2/1/1 /1/1 का भाग आस्था परिसर शकरपुर उज्जैन	अब्दुल रेहमान पिता मोह हनीफ निवासी तोपखाना	विक्रम लाल पिता नानूराम निवासी महिदपुर	विक्रय पत्र
05	41	1311	भू.क्र.– 106 बी सर्वे 201/2/2 का भाग गौरी नगर कोलोनी बी पाण्ड्याखेडी उज्जैन	शैलेन्द्र सिंह पिता स्व प्रदीप सिंह निवासी पटेल नगर	सीतादेवी पति ओमप्रकाश तनेजा निवासी कृष्णा कालोनी उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1309	भू क 4/2 उत्तरी भाग ब्लाक न 04 मैत्री निकुंज कालोनी उज्जैन	मना बाई पति दिनेश निवासी जयवंतपुर	संतोष पिता बाबुलाल शर्मा निवासी श्रीनगर कालोनी उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1314	भू क 127 सर्वे 3/4 भाग पवासा उज्जैन	रीना पति संजय चौधरी निवासी अरविन्द नगर	अनीता बाई पति दिलीप कुमार मोरिया निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	1315	भू.क्र. 128 सर्वे 3/4 का भाग पवासा उज्जैन	रीना पति संजय चौधरी निवासी अरविंद नगर	रीना बाई पति सुभाष मोरिया निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	41	1317	भू.क्र. 202 सर्वे क 301/1 /3 मिन 3 भाग शिवधाम कालोनी पाण्ड्याखेडी उज्जैन	सीमा बाई पति ईश्वर जी निवासी ताजपुर	पूजा पति संतोष मालवीय निवासी महासिम्हा उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1321	भू.क्र.– 117 कार्नर ब्लाक ई तिरूपति सोलिटेयर कालोनी उज्जैन	विरेन्द्र सिंह पिता मंगल सिंह मीणा निवासी कृष्ण कालोनी	नीतू पति रवि पंवार निवासी बालाराम कालोनी	विक्रय पत्र
05	41	1318	भू.क्र. सी 02 204 द्वितिय महावीर एवेन्यु भाग 1 उज्जैन	1 सुनीता पति धर्मेन्द्र ठाकुर 2 धर्मेन्द्र सिंह पिता धन्नालाल ठाकुर, निवासी धार	हेमलता पति पंकज सेठी निवासी लक्ष्मी नगर	विक्रय पत्र
05	40	1319	भू.क्र. 198 सर्वे 18/2 20 तथा 22/4 भाग पंवासा उज्जैन	फेहमिदा सुल्ताना पति इरशाद हुसैन द्वारा श्यामपिता भगवती प्रसाद निवासी कमलापुरा	पार्वती पति कैलाश नारायण निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	40	1320	भू.क्र. 161 विनायक पार्क कालोनी पंवासा मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना, 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	1 नितिन पिता कैलाश चन्द्र राठौर 2 श्रुति पति नितिन राठौर निवासी बेगमपुरा	विक्रय पत्र
05	41	1329	भू.क्र. 1/2 सर्वे 143/1 भाग शिव सिटी नीमनवासा उज्जैन	अर्जुन सिंह पिता ताराचंद जी निवासी हरसोदन	राकेश पिता रोशनलाल मरतूलकर निवासी हरसोदन	विक्रय पत्र
05	40	1328	भू.क्र. 34 सर्वे 18/2/1मिन 2 पंवासा उज्जैन	1 सुरेन्द्र सिंह पिता स्व रमेश सिंह 2 यशपाल निवासी पंवासा	दुर्गा बाई पति देवकरण सूर्यवंशी निवासी कालापीपल उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1327	भू.क्र. 228 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	गोविन्द पिता रतनलाल चौहान निवासी पचोला	विक्रय पत्र
05	40	1326	भू.क्र. 217 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	अलका गिरी पति सुमित गिरी निवासी पवासा	विक्रय पत्र
05	41	1325	भू.क्र. 88 सर्वे 201/1 /3/3 शिवधाम कालोनी पाण्ड्याखेडी उज्जैन	अब्दुल पिता गुलामरसूल निवासी गदार गेट	भरत पिता धूल जी खस्वर निवासी तराना	विक्रय पत्र
05	40	1324	भू.क्र. 66/21 शकरपुर उज्जैन	1 अशोक सिंह पिता सूबेदार सिंह तोमर 2 पर्वत सिंह पिता उग्गार सिंह, निवासी ग्वालियर	राजू पति नाथूराम गुप्ता निवासी अशोक नगर	विक्रय पत्र
05	40	1323	भू.क्र. 118 ब्लाक बी सर्वे 189/1/2/3 का भाग मयंक परिसर पंवासा उज्जैन	दीपक पिता रामचन्द्र जी निवासी पंवासा	कमल सिंह पिता बद्रीलाल निवासी तराना	विक्रय पत्र
05	40	1333	भू.क्र. ई 17 ई डब्ल्यू एस तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	राजकुमारी पिता विक्रम लाल निवासी कायथा	विक्रय पत्र
05	40	1285	भू.क्र. 18/1 सर्वे 165/ 1/2 भाग पंवासा उज्जैन	कांता बाई पति गोकुल सिंह मालवीय, निवासी पंवासा	रामेश्वर पिता गोकुल सिंह मालवीय निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	40	1370	भू.क्र. 137 व 138 ए एक भाग सर्वे 15/2 भाग पंवासा उज्जैन	सीमा बाई पति प्रेम सिंह निवासी पंवासा	स्नेहा पति दिलीप चौहान निवासी मेघदूत गार्डन उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1005	भू.क्र.– 85 सर्वे क 150/1/3/37 का भाग पंवासा उज्जैन	किशोर कुमावत पिता दौलतराम जी निवासी पंवासा	माया पति किशोर कुमावत निवासी मयूर नगर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1409	भू.क्र. 139 ए सर्वे 9/1/मिन1 का भाग पवासा उज्जैन	1 अशोक पिता कैलाशचन्द्र चौहान 2 अविनाश 3 विकास 4 मो रजा निवासी बेगमबाग कालोनी	ममता पति पिन्टू नायक निवासी पवासा	विक्रय पत्र
05	41	1410	भू.क्र. 1 ब्लाक न 23 मणी नगर कालोनी नीमनवासा उज्जैन	अवनि पुत्री हरीश कुमार नागडा, निवासी ठाणे	सपना पति राहुल घुरका निवासी नर्मदापुरम	विक्रय पत्र
05	40	1390	भू.क्र.– 53 दक्षिण भाग आर के निवास उण्डासा उज्जैन	आरती सिंह पति अशोक सिंह निवासी एम पी ई बी कॉलोनी	कृष्णा पति अमरजीत सिंह लोगनी निवासी धनवंतरी मार्ग	विक्रय पत्र
05	41	1391	भू.क्र. 37 श्री पूरम कालोनी पाण्ड्याखेडी उज्जैन	गगलेश पिता नवकिशोर जी शर्मा निवासी गणेश टेकरी	जयमाला नेहे पति राजेन्द्र कुमार नेहे निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	1394	भू.क्र.– 49 ई डब्ल्यू एस केसरबाग परिसर पंवासा मक्सी रोड उज्जैन	कैलाशसिंह पिता घासीरामजी चौहान, 2 मे कासा रोड मार्केटिंग प्राइवेट लिमि द्वारा कैलाशसिंह पिता घासीराम जी चौहान, निवासी 1 क्षपणक मार्ग उज्जैन	रीना पवार पति बलवानसिंह पवार निवासी देवास	विक्रय पत्र
05	41	1397	भू.क्र. ई डब्ल्यू एस 06 विनायक पार्क कालोनी प्रिमियम पाण्ड्याखेडी मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना, 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	मयुर पिता मनोहर राव भोपाले निवासी वैकुण्ठधाम उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1398	भू.क्र. ई डब्ल्यू एस 05 विनायक पार्क कालोनी प्रिमियम पाण्ड्याखेडी मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना, 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	अनिता पति स्व दिलीप कुमार निवासी जवाहर नगर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1400	भू.क्र. 24 ब्लाक न.16 मणीनगर कालानी नीमनवासा उज्जैन	स्काई हाईट्स डेव्लपर्स श्रीमति जसमीत कोर मल्होत्रा पुत्री श्री नरेन्द्रसिंह खनूजा गुरूसिख एग्रो एण्ड स्टेटस एलएलपी रसमीतसिंह मल्होत्रा पिता सरदार अजीतसिंह मल्होत्रा निवासी वार्ड 13 नेहरू वार्ड पिपरिया (म.प्र.)	मोना पति गोपाल दास बैरागी निवासी इन्दौर	विक्रय पत्र
05	40	1401	भू.क्र. 98 का पश्चिम भाग सर्वे 128/2/1/1 भाग राजेश्वरी परिसर पंवासा उज्जैन	रीना बाई पति हीरालाल निवासी अम्बोदिया	भगवंता बाई पति रमेश सोनी निवासी देवास	विक्रय पत्र
05	41	1404	भू.क्र. 53 सर्वे 143/1/2 का भाग शिव सिटी निमनवासा उज्जैन	गीता पति अशोक यादव निवासी सांदीपनी नगर	शुभम पिता तेजकरण सोनगरा निवासी अन्नोदी उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1405	भू.क्र. 179 बी सर्वे 139/1 भाग शिव धाम ब्लाक बी नीमनवासा उज्जैन	गीता पति अशोक यादव निवासी सांदीपनी नगर	रीना बाई पति पप्पू परमार निवासी अकसोदा	विक्रय पत्र
05	41	1406	भू.क्र. 18 ब्लाक न 22 मणीनगर कालोनी नीमनवासा उज्जैन	नोईन खान पुत्री आदिल खान निवासी दमदमा	तारा सिंह पिता राजेन्द्र सिंह ठाकुर निवासी होशंगाबाद	विक्रय पत्र
05	40	1399	भू.क्र. ई 02 ई डब्ल्यू एस ड्रीम्स पार्क कालोनी पंवासा उज्जैन	दीपक पिता अशोक परिहार निवासी खालसा	हलाबाई पति बंशीलाल निवासी भैरवगढ	विक्रय पत्र
05	40	1447	भू.क्र. 158 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	गीता पति मनोहर उज्जवाल निवासी छाया भवन	विक्रय पत्र
05	40	1446	भू.क्र. सर्वे 150/1/2 न्यू 150/1/2/4 भाग पंवासा उज्जैन	कैलाशसिंह पिता कल्याण सिंह रघुवंशी 2 पुरन सिंह निवासी केसर बाग परिसर	लक्ष्मी पति रामबाबू जाटव निवासी पंवासा	विक्रय पत्र,
05	40	1445	भू.क्र. सर्वे 165/1/2 एवं 10 11 12 पंवासा उज्जैन	आनंदीलाल पिता भेरूलाल राठौर, निवासी तराना	राजनारायण पिता मुंशीलाल जी शर्मा निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	40	1444	भू.क्र.– 313 बी सर्वे 201/2/1 भाग गौरी नगर पाण्ड्याखेडी उज्जैन	गौरव पिता राजेश औसतवाल निवासी जयसिंह पुरा	सीमा बाई पति महेश निवासी देवास	विक्रय पत्र
05	41	1413	भू.क्र. 82 विनायक पार्क कालोनी प्रिमियम पाण्ड्याखेडी मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना, 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	विनोद कुमार पिता भेरू लाल पांचाल निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	1440	भू क 179 सर्वे 1690 भाग प्रीति नगर कालोनी आगर रोड उज्जैन	पुजा पति मनोज प्रजापत निवासी अमन नगर उज्जैन	गायत्री पति सतीश कुमार वर्मा निवासी उन्हैल	विक्रय पत्र
05	40	1439	भू.क्र. 227 सर्वे 3/4 भाग कार्तिक नगर कालोनी पंवासा उज्जैन	1 पप्पू पिता स्व नन्द रामजी 2 पूनम पुत्री पप्पू निवासी फाजलपुरा	सुगना बाई पति शिवलाल निवासी महिदपुर	विक्रय पत्र
05	41	1438	भू.क्र. 78 विनायक पार्क कालोनी प्रिमियम पाण्ड्याखेडी मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना, 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	कला बाई पति रतनलाल निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	41	1417	भू.क्र. 21 सर्वे 283/1/3 भाग अमरनाथ धाम ब्लाक 2 उज्जैन	रूपेश पिता आनन्दीलाल राठौर जी निवासी नरसिंह घाट कालोनी	हेमराज पिता कालू जी निवासी महाश्वेता नगर	विक्रय पत्र
05	41	1418	भू.क्र. 153 विनायक पार्क कालोनी प्रिमियम पाण्ड्याखेडी मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना, 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	गायत्री पति बसंत कुमार नामदेव निवासी बेगमपुरा	विक्रय पत्र
05	41	1419	भू.क्र. 152 विनायक पार्क कालोनी प्रिमियम पाण्ड्याखेडी मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना, 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	गायत्री पति बसंत कुमार नामदेव निवासी बेगमपुरा	विक्रय पत्र
05	40	1453	भू.क्र. सर्वे 22/4/1/2 भाग पंवासा उज्जैन	जीतेन्द्र सिंह पिता गोविन्द सिंह निवासी भुवनेश्वरी कालोनी	लाडकुवर बाई लाखन सिंह निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	40	1452	भू.क्र. 20 ब्लाक क 10 सर्वे 753/1/1/2 भाग उंडासा उज्जैन	रामवती पति मनीराम बंजारा निवासी बुलंदशहर	सरोज देवी पति रमेश नायक निवासी इंदौर	विक्रय पत्र
05	40	1451	भू.क्र. 2 3 सर्वे 163/3 का भाग पंवासा उज्जैन	श्री गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित राजेन्द्र कुमार पिता अमृतलाल बांठिया निवासी विक्रम मार्ग	अशोक कुमार पिता रामनाथ जी निवासी अशोक नगर	विक्रय पत्र
05	40	1450	भू.क्र. 67 श्रीनगर कालोनी उज्जैन	पवित्रा बाई पति अशोक जी सिसोदिया निवासी बिलोटीपुरा	सुनीता बाई पति ओंकार लाल निवासी माकडोन	विक्रय पत्र
05	41	1449	भू.क्र. 33 ब्लाक न.06 मणीनगर कालानी नीमनवासा उज्जैन	स्काई हाईट्स डेव्लपर्स श्रीमति जसमीत कोर मल्होत्रा पुत्री श्री नरेन्द्रसिंह खनूजा गुरूसिख एग्रो एण्ड स्टेटस एलएलपी रसमीतसिंह मल्होत्रा पिता सरदार अजीतसिंह मल्होत्रा निवासी– वार्ड 13 नेहरू वार्ड पिपरिया (म.प्र.)	मृदुल पिता प्रवीण यादव निवासी महामंगल सिटी उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1448	भू.क्र. ई डब्ल्यू एस 27 विनायक पार्क कालोनी प्रिमियम पाण्ड्याखेडी मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना, 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	1 होकम बाई पति मेहरबान सिंह 2 शुभम पिता मेहरबान निवासी कायथा	विक्रय पत्र
05	40	1470	भू.क्र. 59 व 60 सर्वे 283/1/4 भाग नीमनवासा उज्जैन	रूपेश पिता आनंदीलाल राठौर निवासी नरसिंह घाट कालोनी	रवि पिता रामप्रसाद निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	1411	भू.क्र. 156 सी सर्वे 15/2 भाग पंवासा उज्जैन	कचरूलाल पिता गोरधनलाल खरेतिया निवासी पंवासा	प्रीति पति राजेन्द्र विश्वकर्मा निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	41	1412	भू.क्र. ई डब्ल्यू एस 13 विनायक पार्क कालोनी प्रिमियम पाण्ड्याखेडी मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	भगवंता बाई पति गंगाराम मालवीय निवासी अतिरिक्त विश्व बैंक कालोनी उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1414	भू.क्र. 37 सर्वे 753/8 भाग उण्डासा उज्जैन	नीलम पति शैलेश पिता रमेशचन्द्र द्वारा सत्यनारायण पिता रघुनाथ निवासी निमनवासा	प्रेम कुंवर पति रमेशचन्द्र निवासी कालूहेडा घटिटया उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1415	भू.क्र. 26/1 सर्वे क 3/3 का भाग कार्तिक नगर पंवासा उज्जैन	श्री रामरतन देशवाली मीणा पिता पूनमचन्दजी देशवाली मीणा निवासी 5/5 काजीपुरा उज्जैन द्वारा रजिस्टर्ड मुख्तयारआम शिवनारायण पिता पूनमचन्दजी मीणा निवासी– 5 अंकपात मार्ग छोटी पीपल उज्जैन	भारती पति प्रेम लिम्बावत निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	41	1423	भू.क्र. सर्वे 420/1/1/2 420/1/3 भाग नीमनवासा उज्जैन	1 वीरेन्द्रसिंह पिता भागीरथ सिंह 2 विजिता पति विरेन्द्रसिंह गोड निवासी पवासा	श्री महावीर इन्फ्रा , 1 सिद्धार्थ पिता सुनील कुमार बोहरा 2 गौरव पिता अशोक गर्ग निवासी राजेन्द्र नगर	विक्रय पत्र
05	40	1424	भू.क्र. 22/1 22/1 दक्षिण भाग केसरबाग परिसर पवासा उज्जैन	1 अशोक बारोड पिता स्व ताराचंद बारोड 2 सरला पति अशोक निवासी अग्रसेन नगर	1 गोविन्द पिता मदनलाल 2 कन्हैयालाल पिता मदनलाल निवासी पानखेडी उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1425	भू.क्र. 55 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	अभिषेक पिता रमेशचन्द्र जी निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	1426	भू.क्र. 121 आर के निवास उण्डासा उज्जैन	रूचि पिता राजेन्द्र शर्मा निवासी गणेश नगर	विशाल सिंह पिता राघवेन्द्र सिंह पंवार निवासी देवास	विक्रय पत्र
05	40	1421	भू.क्र. सर्वे 50/65/मीन 2 शंकरपुर	शबाना बी पति नौशद खां निवासी शंकरपुर	शफीक अहमद पिता ईदा पटेल निवासी नजरपुर	विक्रय पत्र
05	40	1422	भू.क्र. सर्वे 50/64/ 2 शंकरपुर	1 सुमन पति नन्दकिशोर चावडा 2 जुगल किशोर 3 दिपक पिता नन्दकिशोर निवासी शाजापुर	यास्मीन पति मोहम्मद इलयास निवासी बेगमबाग कालोनी	विक्रय पत्र
05	38	1381	भू.क्र. 01 एफएफ तात्याटोपे मार्ग उज्जैन	प्रमोद पिता बाबूराव पिम्पलगावकर निवासी तात्याटोपे मार्ग	1 मोहिनी पति स्व प्रमोद पिम्पलगावकर 2 योगेश 3 रितेश निवासी तात्याटोपे मार्ग	शपथ पत्र/मृत्यू प्रमाण पत्र
05	43	1408	भू.क्र. 3/2 अशोक विहार कालोनी उज्जैन	राजेश कुमार पिता ताराचंद्र जैन निवासी अशोक विहार	1 समता पति राजेश कुमार जैन 2 शिखा 3 साक्षी निवासी लक्ष्मी नगर	शपथ पत्र/मृत्यू प्रमाण पत्र
05	43	1310	भू.क्र. 180 लक्ष्मी नगर उज्जैन	देवकी पति ध्रुवनारायण जी निवासी लक्ष्मी नगर	1 सुनील पिता ध्रुवनारायण शुक्ला 2 अंजु 3 सीमा निवासी लक्ष्मी नगर उज्जैन	शपथ पत्र/ मृत्यू प्रमाण पत्र
05	43	1471	भू.क्र. 232 लक्ष्मी नगर उज्जैन	रज्जोबाई पति स्व ताराचंद जी गंगवाल निवासी लक्ष्मी नगर उज्जैन	मुकेश पिता स्व ताराचंद जी जैन निवासी लक्ष्मी नगर उज्जैन	शपथ पत्र/ मृत्यू प्रमाण पत्र

अतः उक्त नामांकन के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर लिखित में मय अभिलेख/प्रमाण के साथ अपनी आपत्ति संबंधित झोन के प्रभारी सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी को प्रस्तुत करें, नियत अवधी के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नोट:– उक्त नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना निगम की वेबसाईट http://nagarnigamujjain.org/ पर भी देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त (सम्पत्तिकर)
नगर पालिक निगम, उज्जैन
उज्जैन, दिनांक:15/06/2026

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन जिले के हजारों विद्यार्थी देंगे नीट परीक्षा... कड़ी सुरक्षा के इंतजाम

इस बार 15 मिनट का समय परीक्षार्थियों को अतिरिक्त मिलेगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले दिनों नीट की परीक्षा पेपर लीक होने के कारण निरस्त करना पड़ी और देशभर में इसका जमकर हल्ला मचा। अब कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 21 जून को नीट की पुनः परीक्षा आयोजित की जा रही है और विगत दिवस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए तैयारियों की समीक्षा की और निर्देश दिए कि बेहतर प्रबंधन और कुशलता से बिना कोई कमी रखे नीट की परीक्षा आयोजित करवाई जाए। उज्जैन सहित प्रदेश के 30 जिलों के 183 केन्द्रों पर यह परीक्षा होगी, जिसमें उज्जैन के भी 9 केन्द्र शामिल हैं। इस बार 15 मिनट का अतिरिक्त समय परीक्षार्थियों को दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीट परीक्षा के समन्वयक उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि सभी परीक्षा केन्द्रों में लगाई जाने वाली बायोमैट्रिक मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर 19 जून को ही परीक्षा केन्द्रों में लगा दिए जाएं और 20 जून को इनका ट्रायल रन भी कर लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 21 जून को राष्ट्रपति का जबलपुर प्रवास प्रस्तावित है। जबलपुर शहर में 24 केंद्रों में नीट परीक्षा होनी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी यातायात का ऐसा प्रबंधन करें कि सभी परीक्षार्थी बिना किसी बाधा के अपने-अपने परीक्षा केंद्रों में सुगमता से पहुंच जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चूंकि नीट परीक्षा के दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में भी होने हैं, इन आयोजनों के कारण परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई कठिनाई न हो। यातायात का बेहतर नियोजन करें। सुनिश्चित करें कि सभी परीक्षार्थी तय समय से पहले तक केन्द्रों में पहुंच जायें। किसी परीक्षार्थी को यदि सेंटर तक पहुंचने में आवागमन के साधन की परेशानी आ रही है तो प्रशासन और पुलिस अधिकारी किसी शासकीय वाहन या खुद अपने वाहन से उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परीक्षा केंद्रों वाले उज्जैन सहित सभी 30 जिलों के कलेक्टर्स-एसपी एवं परीक्षा सम्पन्न कराने की व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों को वीसी से निर्देशित किया कि नीट परीक्षा की तैयारियों के लिए उपयोग में लाई गई एसओपी अब प्रदेश में होने वाली सभी परीक्षाओं में उपयोग में लाई जाएगी। उज्जैन जिले से लगभग 4 हजार विद्यार्थी नीट की परीक्षा देंगे। परीक्षा का समय दोपहर 2 से शाम 5ः15 तक रहेगा।

दिन भर धूप शाम को बादल... एक-दो दिन में बारिश की संभावना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के आसमान पर बादलों की आवाजाही तो जारी है, लेकिन बारिश नहीं हो रही। गुरुवार को भी सुबह से धूप निकल आई थी। बारिश के इस ब्रेक के करण शहर में एक बार फिर गर्मी और उमस बढने् लगी है। मौसम विभाग के अनुसार आज भी मौसम साफ रहेगा, वहीं एक या दो दिन में अच्छी बारिश की उम्मीद है। वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 39 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री और परसों की अपेक्षा 0.5 डिग्री ज्यादा था, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.5 डिग्री और कल की अपेक्षा 1.5 डिग्री कम था। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 14 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त ने बताया कि अभी मानसून के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। इस बीच प्री मानसून एक्टिविटी के तहत कल बारिश की उम्मीद है। बारिश का यह दौर रुक-रुककर चलता रहेगा।

खेत में मिली खून से सनी महिला-पुरुष की लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राघवी थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर को दोहरा हत्याकांड सामने आया है। ग्राम ब्राह्मणखेड़ा के समीप एक खेत में महिला और पुरुष के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने कुछ देर में ही दोनों की पहचान कर ली फिलहाल मामले की जांच जारी है प्रेम प्रसंग की आशंका में हत्या को अंजाम दिया जाना सामने आ रहा है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान ग्राम बैलाखेड़ा निवासी मंजू शर्मा पत्नी सत्यनारायण शर्मा 35 वर्ष और कालूराम पिता पर्वत वर्मा 42 वर्ष के रूप में हुई है। दोनों एक ही गांव के रहने वाले थे।किसानों ने दोनों के शव पड़े देखें और राघवी थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस के साथ एफएसएल टीम मौके पर पहुंची।शवों पर चोट के निशान पाए गए हैं। राघवी थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दोनों की हत्या होना प्रतीत हो रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल की जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों के परिजनों से पूछताछ की जा रही है। पुरानी रंजिश, अवैध संबंध या लेनदेन सहित सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।घटना के बाद से ब्राह्मणखेड़ा और बैलाखेड़ा गांव में दहशत का माहौल है। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

चाकूबाजी में घायल की मौत, हत्या में बदला मामला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 14 जून की रात रेलवे स्टेशन पर हुई चाकूबाजी में मूल रूप से शाजापुर का रहने वाला दीपक पिता इंदरसिंह हाल मुकाम मंछामन कॉलोनी गंभीर रूप से घायल हो गया था। आरपीएफ ने उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया था। मामले की जांच जीआरपी को सौंप गई थी। हालत गंभीर होने पर दीपक को इंदौर रेफर किया गया था। मंगलवार-बुधवार रात दीपक की मौत हो गई। जीआरपी थाना प्रभारी अमित कुमार भावसार ने बताया कि घटनाक्रम के बाद एक आरोपी कबीर उर्फ दीपक को दूसरे दिन ही हिरासत में ले लिया गया था। दूसरा आरोपी राजेश फरार था। घायल की मौत होने पर मामले में हत्या की धारा का इजाफा किया गया है। दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। चाकूबाजी के बाद घायल ने बताया था कि पुरानी रंजिश को लेकर उसे पर हमला किया गया था। मृतक दीपक पिछले 5 सालों से उज्जैन में रहकर मजदूरी का काम करता था। इंदौर में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्राचीन धरोहर बावड़ी का पुनरुत्थान किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत तराना की ग्राम पंचायत टुकराल में स्थित प्राचीन नीलकंठ महादेव परिसर में स्थित धरोहर बावड़ी का सफल जीर्णोद्धार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पूर्ण हो गया है।

ग्राम पंचायत द्वारा स्वयं के संसाधनों से कराए गए इस कार्य से लगभग 300 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक जल संरचना को पुनः जीवंत रूप प्रदान किया गया है।

लगभग 300 वर्ष पूर्व पत्थरों की विशिष्ट जड़ाई वाली तकनीक से निर्मित यह बावड़ी प्राचीन काल में ग्रामीणों के लिए पेयजल का प्रमुख स्रोत रही है। साथ ही नीलकंठ महादेव परिसर में पूजा-अर्चना का महत्वपूर्ण केंद्र भी रही है। समय के साथ उपेक्षित हो चुकी इस बावड़ी को मूल स्वरूप में पुनर्स्थापित कर स्थानीय धरोहर को संरक्षित करने का सराहनीय कार्य किया गया है।

कार्य की शुरुआत 5 मई 2026 को हुई थी। इसमें गाद निकासी, साफ-सफाई, मलबा हटाना तथा आसपास के क्षेत्र की पूर्ण सफाई शामिल रही। कुल अनुमानित लागत 10 हजार रुपये (0.10 लाख) थी, जबकि ग्राम पंचायत टुकराल द्वारा 50 हजार रुपये (0.50 लाख) की राशि उपलब्ध कराई गई।

इस सफल जीर्णोद्धार से न केवल प्राचीन बावड़ी को उसके मूल स्वरूप में लाया गया है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर से जोड़ने का सुंदर माध्यम भी उपलब्ध हुआ है। बावड़ी के आसपास की सफाई से ग्रामीणों के लिए स्वच्छ वातावरण का केंद्र स्थापित हो गया है। स्थानीय लोग अब इस स्थल पर पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ अपनी विरासत को संरक्षित रखने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

इस साल गर्मी के साथ-साथ पंखे-कूलर की बिक्री ने भी बनाए नए रिकॉर्ड

दो माह में 4 लाख पंखे और डेढ़ लाख से ज्यादा कूलर बिके

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस वर्ष की भीषण गर्मी ने उज्जैन शहर के इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी कूलर और पंखों की मांग बढ़ा दी। मई और जून में तापमान लगातार ऊंचा रहने से लोगों ने गर्मी से राहत पाने के लिए पंखे, कूलर और अन्य कूलिंग उपकरणों की जमकर खरीदारी की। परिणामस्वरूप गर्मी के साथ-साथ बाजार में बिक्री के नए रिकॉर्ड बने और बिजली की खपत भी अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

उज्जैन के इलेक्ट्रॉनिक कारोबारियों के अनुसार इस गर्मी के सीजन में शहर और आसपास के क्षेत्रों में करीब 4 लाख पंखे तथा डेढ़ लाख से अधिक कूलर बिके। इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर सुबह से देर रात तक ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली। मांग बढने् से कई लोकप्रिय मॉडलों की अस्थायी कमी भी महसूस की गई। गर्मी के असर का सीधा प्रभाव बिजली की खपत पर भी दिखाई दिया। मई माह में शहर और जिले की कुल बिजली खपत 6 करोड़ यूनिट तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 1 करोड़ यूनिट अधिक है। वहीं शहर की पीक डिमांड 127 मेगावाट दर्ज की गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा करीब 116 मेगावाट था। बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार घरों में कूलर, पंखे और अन्य कूलिंग उपकरणों के बढ़ते उपयोग से लोड में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बाजार में इस बार हर वर्ग के लिए कूलर उपलब्ध रहे। सामान्य और फाइबर बॉडी वाले 3 फीट कूलर 4000 रुपए तक बिके। वहीं 70 से 115 लीटर क्षमता वाले डेजर्ट कूलर और हनीकॉम्ब पैड मॉडल 5000 से 12 हजार रुपए तक की रेंज में ग्राहकों को बेचे गए। बड़ी दुकानों और व्यावसायिक परिसरों के लिए मेटल एयर कूलर 10 हजार से 20 हजार रुपए तक की कीमत में खरीदे गए। व्यापारियों का कहना है कि इस बार की गर्मी ने पिछले कई वर्षों के बिक्री रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। मौसम में राहत आने के बावजूद कूलिंग उपकरणों की मांग अभी भी बनी हुई है।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवक से मारपीट

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दोस्त की बहन से छेड़छाड़ करने वाले युवक को विरोध किया तो उसे छेड़छाड़ करने वाला अपने 2 साथियों की मदद से एमआर-5 मार्ग ले गया और मारपीट की। चिमनगंज थाना पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

चरक अस्पताल में भर्ती ढांचा भवन निवासी प्रीतम पिता नवीन परिहार ने बताया कि अल्फेज नामक युवक दोस्त की बहन को काफी समय से परेशान कर रहा था। कुछ दिन पहले दोस्त और उसने मिलकर अल्फेज को समझाया था। बीती रात ढांचा भवन में रहने वाले कृष्णा कड़ेल और अरमान के माध्यम से अल्फेज ने बात करने के लिये बुलाया और बाइक से एमआर-5 मार्ग लेकर गये। जहां तीनों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देने लगे। उसने बमुश्किल तीनो के चुंगल से बचकर परिजनों को सूचना दी। परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जानकारी लगने पर चिमनगंज थाना पुलिस ने घायल के बयान दर्ज कर तीनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

बिहार के मजदूर पर चढ़ा लोडर वाहन, मोके पर मौत

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम धुलमऊ में बुधवार देर शाम बिहार के मजदूर पर लोडर वाहन चढ़ गया। दबने से मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। भैरवगढ़ पुलिस ने वाहन जप्त कर चालक को हिरासत में लिया है। मृतक के परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

भैरवगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम धुलमऊ में एमकेसी इन्फ्रा लिमिटेड का प्लांट बना हुआ है जहां बिहार के चम्पारण का रहने वाला अवधेश कुमार पिता रमायन मुखिया 23 वर्ष मजदूरी का काम करता था। देर शाम वह काम में लगा था। उसी दौरान फ्रंट इंड लोडर वाहन क्रमांक यूके 07 एफवी 6906 के चालक विकास ने अचानक तेज गति से वाहन को रिवर्स लिया। पीछे काम कर रहा मजदूर अवधेश चपेट में आ गया और उसके ऊपर पहिया चढ़ गया। दबने से अवधेश की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मजदूर का शव अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं चालक विकास को हिरासत में लेकर वाहन जप्त किया गया है। एसआई डीएस रावत के अनुसार मृतक बिहार का रहने वाला था। उसके परिजनों को सूचना दी गई है जिनके आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मृतक पिछले कई महीनों से प्लांट पर काम कर रहा था और वहीं पर निवासरत था।

स्कूली वाहनों की जांच में 16 में मिली खामियां, यातायात पुलिस ने किये चालान

सुबह आगर रोड चौराहे पर चला चैकिंग अभियान - फिटनेस, सीसीटीवी, फर्स्ट एड बॉक्स और स्पीड गवर्नर की जांच

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही यातायात पुलिस ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर जांच अभियान तेज कर दिया है। गुरुवार सुबह आगर रोड चौराहे पर यातायात पुलिस ने स्कूल और कॉलेजों के वाहनों की सघन जांच की। अभियान के दौरान 16 वाहनों में विभिन्न प्रकार की कमियां मिलने पर उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई।

यातायात विभाग के एसआई मनोज चंदेल ने बताया कि नए सत्र के शुरू होने के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी स्कूलों और कॉलेजों में आने-जाने लगे हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बसों और अन्य स्कूली वाहनों की नियमित जांच की जा रही है। गुरुवार सुबह चलाए गए अभियान में वाहनों की फिटनेस, वैध दस्तावेज, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, आपातकालीन निकास द्वार, स्पीड गवर्नर और सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। जांच के दौरान कई वाहनों में सुरक्षा उपकरणों की कमी और दस्तावेजों में अनियमितताएं पाई गईं। ऐसे 16 वाहनों के संचालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने वाहन चालकों और संचालकों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले भी 62 स्कूली वाहनों की जांच की गई थी। यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहनों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा उपकरणों पर विशेष ध्यान- यातायात पुलिस द्वारा विशेष रूप से यह देखा जा रहा है कि स्कूल बसों में अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, आपातकालीन निकास द्वार, स्पीड गवर्नर और सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से मौजूद हों। साथ ही वाहनों के सभी दस्तावेज और फिटनेस प्रमाणपत्र भी वैध होना जरूरी है। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा मानकों का पालन करने से दुर्घटना या आपात स्थिति में बच्चों की सुरक्षा निर्धारित की जा सकती है।

6 वर्षों में उज्जैन में 3 प्रतिशत बढ़ गया वायु प्रदूषण

2020 के मुकाबले औसत गुणवत्ता सूचकांक 114 तक पहुंच गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की हवा एक बार फिर खराब होने की ओर बढ़ रही है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के वार्षिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026 में उज्जैन का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक बढ़कर 114 तक पहुंच गया है। यह पिछले वर्ष 2025 के मुकाबले 5 प्रतिशत अधिक है। वहीं 2020 की तुलना में भी शहर की वायु गुणवत्ता 3 प्रतिशत खराब हुई है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार 2020 में उज्जैन का वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 था, जो 2021 में बढ़कर 111 और 2022 में 119 तक पहुंच गया। इसके बाद 2023 में 109 और 2024 में 98 पर आकर कुछ राहत मिली थी। लेकिन यह सुधार ज्यादा समय तक नहीं टिक पाया। 2025 में वायु गुणवत्ता सूचकांक फिर बढ़कर 109 और 2026 में 114 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार वायु गुणवत्ता सूचकांक का बढ़ना हवा में धूलकण, वाहनों का धुआं, निर्माण गतिविधियां और औद्योगिक उत्सर्जन बढ़ने का संकेत है। वायु गुणवत्ता सूचकांक जितना अधिक होता है, हवा की गुणवत्ता उतनी ही खराब मानी जाती है।

2024 रहा सबसे बेहतर साल- वर्ष 2024 में वायु गुणवत्ता सूचकांक 98 दर्ज किया गया था, जो पिछले छह वर्षों में सबसे कम रहा। इसके बाद लगातार दो वर्षों में वृद्धि ने चिंता बढ़ा दी है। 2025 में 11 प्रतिशत और 2026 में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

तुलनात्मक स्थिति-

वर्ष-	वायु गुणवत्ता सूचकांक
2020	-100
2021	-111
2022	-119
2023	-109
2024	-98
2025	-109
2026	-114

इसलिए है चिंता की बात- 2022 के बाद प्रदूषण में कमी आने लगी थी, लेकिन पिछले दो वर्षों में फिर बढ़ोतरी दर्ज हुई है। यदि यही रुझान जारी रहा तो आने वाले वर्षों में शहर की हवा और खराब हो सकती है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि धूल नियंत्रण, हरियाली बढ़ाने और प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों पर सख्ती से अंकुश लगाने की जरूरत है।

तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का समापन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनकल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन नगर पालिक निगम द्वारा किया गया। गुरुवार को नगर निगम मुख्यालय में जिला स्तरीय जनकल्याण शिविर का समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ।

शिविर के समापन अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, श्री संजय अग्रवाल, जिला कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर गेल इंडिया केटीएम शोरूम से होते हुए नीलगंगा तक मार्ग चौड़ीकरण अंतर्गत पूर्ण रूप से प्रभावित 16 चिन्हित किए गए परिवारों को लॉटरी के माध्यम से पंवासा स्थित नगर निगम द्वारा विकसित ईडब्ल्यूएस कॉलोनी में भूखंड आवंटित किए गए।

जनकल्याण शिविर अंतर्गत निगम क्षेत्र के सभी 6 जोन कार्यालयों पर कुल 18 शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में शासन के 23 विभागों की 110 योजनाओं के माध्यम से 2645 आवेदन प्राप्त होकर सभी प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया गया। समापन अवसर पर हितग्राहियों को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं स्वनिधि योजना, संबल योजना, पेंशन योजना, परिवार सहायता, बागवानी योजना के अंतर्गत लाभ वितरित किए गए। साथ ही पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत हितग्राहियों को क्रेडिट कार्ड का वितरण और 50,000, 15,000 एवं 25,000 के स्वीकृति पत्र भी हितग्राहियों को दिए गए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जिनमें हितग्राहियों द्वारा योजनाओं का लाभ लिया गया।

गोल्ड शोरूम के खाते होल्ड करवाने वाला गिरोह हिरासत में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठगी की राशि से खरीदते थे गोल्ड क्वाइन खरीद कर शोरूम के बैंक खाता होल्ड करने वाले गिरोह के तीन अंतरराज्यीय ठगों को माधव नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है जिनको पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है। तीनों से ठगी के कई राज सामने आ सकते हैं।

माधव नगर थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया ने बताया कि 6 जून को कथित नाम अनुराग कहार द्वारा डी.पी.के. गोल्ड शोरूम, घास मंडी चौराहा से लगभग 95 हजार रुपये का 6 ग्राम गोल्ड क्वाइन खरीदा गया जिसका भुगतान क्यूआर कोड के माध्यम से किया गया। भुगतान प्राप्त होने के कुछ समय बाद शोरूम का बैंक खाता होल्ड हो गया। इस संबंध में शोरूम प्रबंधन द्वारा थाना माधवनगर में सूचना दी गई। जांच के बाद मामले में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया और सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य के साथ अन्य जानकारी के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। इस दौरान आरोपियों के होटल हीरा पैलेस, सखीपुरा उज्जैन में ठहरे होने की सूचना प्राप्त होने पर दबिश देकर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने उज्जैन के विभिन्न ज्वेलर्स शोरूम से साइबर ठगी की राशि का उपयोग कर गोल्ड क्वाइन खरीदना स्वीकार किया। थाना प्रभारी के अनुसार आरोपियों के नाम कशिश पिता सुनील 29 वर्ष, निवासी सदर बाजार, नर्मदापुरम, राहुल उर्फ शानू पिता अरुण 26 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 03, सराफा चौक, नर्मदापुरम और अनिमेश उर्फ अनुराग उर्फ अन्नी पिता अभय, 21 वर्ष, निवासी सदर बाजार, नर्मदापुरम सामने आए हैं तीनों को न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है।

ऐसे देते थे ठगी को अंजाम- आरोपी बायनेन्स एप के माध्यम से यूएसडीटी ट्रेडिंग करते थे। इनके अन्य साथी विभिन्न राज्यों के लोगों को मोबाइल अपडेट करने के नाम पर फर्जी लिंक भेजते थे। लिंक पर क्लिक करने के बाद मोबाइल री-स्टार्ट होता था और इसी दौरान पीड़ितों के बैंक खातों से राशि निकाल ली जाती थी। ठगी की गई राशि सीधे ज्वेलर्स के क्यूआर कोड पर ट्रांसफर कर गोल्ड क्वाइन खरीदी जाती थी। बाद में उक्त गोल्ड को बाजार में बेचकर नकद राशि प्राप्त कर साइबर ठगी की रकम को वैध बनाने का प्रयास किया जाता था। तीनों के पास से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन, फर्जी आईडी कार्ड, गोल्ड क्वाइन खरीदने के बिल एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्यों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता और क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण आयोजित हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ 2028 की तैयारियों में सुरक्षा को प्राथमिकता देने हेतु प्रशिक्षण आयोजित हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप सिंहस्थ की तैयारियों को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी एवं जिला कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा किए जा रहे नवाचारों की श्रृंखला में मुंबई आईआईटी के साथ सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

निर्माणाधीन विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण पहल के तहत सिंहस्थ से संबंधित विभिन्न निर्माण एवं अधोसंरचना कार्यों में सुरक्षा मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कंस्ट्रक्शन सेफ्टी कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन गुरुवार को किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा भी उपस्थित रहे।

सिंहस्थ मेला कार्यालय में आयोजित कंस्ट्रक्शन सेफ्टी कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम कार्यक्रम का उद्देश्य सिंहस्थ 2028 से संबंधित निर्माण कार्यों में संलग्न अधिकारियों एवं अभियंताओं को आधुनिक निर्माण सुरक्षा मानकों, जोखिम प्रबंधन, कार्यस्थल सुरक्षा तथा निर्माण स्थलों पर अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के संबंध में प्रशिक्षित करना था। प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के अभियंताओं एवं तकनीकी अधिकारियों ने सहभागिता की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई के विषय विशेषज्ञों द्वारा अत्यंत सहभागितापूर्ण एवं संवादात्मक सत्रों का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न गतिविधियों, समूह चर्चाओं तथा व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को निर्माण सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान की गई।

विशेषज्ञों द्वारा निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर मौके पर ही सुरक्षा मानकों, संभावित जोखिमों तथा उनके निराकरण के उपायों के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया।

विशेषज्ञों ने बताया कि निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल किसी एक अधिकारी या एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि कार्यस्थल से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। प्रशिक्षण में रिफ्लेक्टिव जैकेट, सुरक्षा हेलमेट एवं अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) के अनिवार्य उपयोग पर विशेष बल दिया गया।

साथ ही रात्रिकालीन कार्यों के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के अभियंताओं ने सक्रिय रूप से सहभागिता करते हुए सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों में भाग लिया तथा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।